वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 149 | रविवार 22 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद् अधिवेशन एवं नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

मानवीय संवेदनाओं के साथ जनता की अपेक्षाओं को करें पूरा, अग्रणी राजस्थान के लिए अधिकारियों की जवाबदेही जरूरी: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

अधिकारियों का समर्पण, जवाबदेही एवं ईमानदारी उनके मूल्यांकन का आधार। प्रशासन सरकार और आमजन को जोड़ने वाली कड़ी एवं समस्याओं के समाधान का अहम पड़ाव

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन की सेवा में प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए प्रभावी प्रशासन की आवश्यकता होती है। हम सभी को मिलकर एक सशक्त और अग्रणी राजस्थान की दिशा में आगे बढ़ना है और इसके लिए अधिकारियों का जवाबदेह होना बहुत जरूरी है। कार्यों के प्रति उत्तरदायी होने से हमें प्रेरणा मिलती और हमारे काम की गुणवत्ता में भी सुधार आता है। शर्मा शनिवार को राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद् के अधिवेशन एवं नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी इस सेवा को एक नई ऊर्जा और सकारात्मक दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए अपने अनुभवों को साझा करने, नए विचारों का आदान-प्रदान करने एवं नए प्रशासनिक प्रयासों को दिशा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

हमारी सरकार में नहीं अधिकारियों के प्रति पूर्वाग्रह, पूर्ववर्ती सरकार ने लिए अविवेकपूर्ण निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन सरकार और जनता को जोड़ने वाली अहम कड़ी है। लोकसेवकों के साथ जुड़ाव एवं विश्वास होने से आमजन अभाव में उनके पास आते हैं। इसलिए प्रशासनिक कार्यों में कुशलता एवं मानवीय संवेदनाओं के साथ जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें। हमारी सरकार में बिना किसी पूर्वाग्रह एवं भेदभाव के अधिकारियों के मूल्यांकन का आधार सिर्फ काम के प्रति समर्पण, जनता के प्रति जवाबदेही एवं ईमानदारी है। ईश्वर ने हमें जनता की सेवा का मौका दिया है इसलिए जनकल्याण के लिए हर परिस्थिति में आगे रहें। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने अविवेकपूर्णता के साथ अनावश्यक रूप से बिना संसाधनों के प्रशासनिक इकाइयों की स्थापना के निर्णय लिए। शर्मा ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में नीतियों और योजनाओं को लागू करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों में उपखण्ड व अतिरिक्त जिला कलक्टर स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में दौरे कर पुराने प्रकरणों का निस्तारण करने की दिशा में पहल करनी चाहिए।

राज्य सरकार का पहला साल बिजली और पानी के लिए समर्पित

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर राज्य के विकास के लिए बिजली और पानी मूलभूत आवश्यकता है इसलिए राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल का पहला वर्ष बिजली और पानी के लिए समर्पित किया है। बिजली और पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होंगे तो राज्य में कृषि और उद्योगों का विकास होगा। उन्होंने कहा कि राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार ने लगभग 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपए के एमओयू किए हैं। आने वाले समय में राजस्थान बिजली के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनेगा। साथ ही, पानी की आवश्यकता की पूर्ति के लिए ईआरसीपी, यमुना जल समझौता और देवास परियोजना से संबंधित महत्वपूर्ण समझौतों और निर्णयों को मूर्त रूप दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित राजस्थान से बनेगा विकसित भारत

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में विकसित राजस्थान भी एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है। विकसित राजस्थान से ही विकसित भारत बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मिनरल्स, पर्यटन तथा ऑटो मोबाइल सहित कई क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार इन क्षेत्रों में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है। इसी दिशा में 9 से 11 दिसम्बर तक राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा की अधिकारी श्रीमती प्रियंका बिश्नोई के निधन पर संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले शर्मा ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों को सम्मानित किया। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार के लोक कल्याणकारी लक्ष्यों को पूरा करने में प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, जो जन नेता और जनता के बीच कड़ी का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास की मूल भावना के साथ कार्मिकों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है।

पधारिये ! अवश्य पधारिये !!

!! श्री वीतरागाय नमः !!

तत्त्वज्ञान का अपूर्व लाभ लीजिये !!

आचार्यकल्प पण्डित प्रवर टोडरमलजी

मंगल आमंत्रण

आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी

श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय, जयपुर में
पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर द्वारा आयोजित

27वाँ आध्यात्मिक शिक्षण शिविर

रविवार, दिनांक : 13 अक्टूबर, 2024 से रविवार, 20 अक्टूबर, 2024 तक

कार्यक्रम स्थल
श्री टोडरमल स्मारक भवन
जयपुर

LIVE ON...
PTST_JAIPUR

आवास रजिस्ट्रेशन
की अंतिम दिनांक
30 सितम्बर 2024
आवास के लिए सम्पर्क करें
8949033694

निवेदक

सुशीलकुमार गोदिका
अध्यक्ष

परमात्मप्रकाश भारिल्ल
महामंत्री

एवं समस्त ट्रस्टीगण पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर

सीमित आवास
उपलब्ध है।
अतः शीघ्रता करें।
आवास के लिए सम्पर्क करें
8949033694

PTST_JAIPUR +91 8949033694 www.ptst.in PTST.LIVE

एम्बिशन किड्स एकेडमी में ऑरेंज डे का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

एम्बिशन किड्स एकेडमी में ऑरेंज डे बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। स्कूल का माहौल बेहद नारंगी था, जहाँ छात्रों ने ऑरेंज रंग के कपड़े पहने तथा ऑरेंज रंग की वस्तुओं को लेकर इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन के विभिन्न पहलुओं में ऑरेंज रंग के महत्व को उजागर करना था। इस अवसर पर प्राचार्या ने इस आयोजन का नेतृत्व करते हुए ऑरेंज रंग के महत्व को समझाया, जो ऊर्जा, गर्मजोशी और आनंद का प्रतीक है। उप-प्राचार्या श्रीमती अनीता जैन ने ऑरेंज रंग की अवधारणा और इसके महत्व को विस्तार से बताया, और यह समझाया कि यह रंग सकारात्मकता और रचनात्मकता से कैसे जुड़ा हुआ है। इस कार्यक्रम में छात्रों और स्टाफ की सक्रिय भागीदारी रही, जिसने इसे शैक्षिक और मनोरंजक दोनों बना दिया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रसिद्ध होमियोपैथ डॉ मोहन लाल जैन मणि ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय ध्वज में केसरिया रंग का महत्वपूर्ण स्थान है। यह साहस, त्याग और तपस्या के भाव का प्रतीक माना गया है। यह उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। निदेशक डॉ मनीष ने छात्रों को इस संबंध में बताया कि साहस, एकता और त्याग के ये मूल्य एक मजबूत और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक हैं। साथ ही, केसरिया रंग भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से भी जुड़ा हुआ है और छात्रों को यह प्रेरणा भी देता है कि वे भी साहस और त्याग की भावना को आत्मसात कर देश की सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में पहल कर सकें।

महिला राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने हेतु अजमेर से 30 सदस्याएं जाएगी

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति का राष्ट्रीय अधिवेशन सागर (मध्य प्रदेश) में होगा। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन राष्ट्रीय संत निर्यापक मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महा मुनिराज के सानिध्य में दिनांक 25..26 सितंबर 2024 को मध्य प्रदेश के सागर शहर में आयोजित होने जा रहा है जिसमे श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर की 30 सदस्याएं समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के नेतृत्व में भाग लेने हेतु दिनांक 24 सितंबर को दयोदय एक्सप्रेस से जा रही है। युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद से एवम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला डोडिया के संयोजन में आयोजित अधिवेशन में विभिन्न आयोजन होंगे जिसमे पलासना सजाओ प्रतियोगिता, गुरू शिष्य पेंटिंग प्रतियोगिता, लेखन प्रतियोगिता ,नारी गौरव सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर 8 महासमिति सदस्याओ को दिया जाएगा, जिसमे अजमेर संभाग की वरिष्ठ सदस्य सूर्यकांता जैन को भी नारी गौरव के लिए चुना गया हे। समिति की मंत्री सरला लुहाड़िया ने बताया कि पूर्व में हुए महिला अधिवेशन में समिति संरक्षक निर्मला पांड्या एवम महिला संभाग अध्यक्ष मधु पाटनी को नारी गौरव के सम्मान से पुरस्कृत किया जा चुका है। युवा प्रकोष्ठ मंत्री रेनू पाटनी ने बताया कि अधिवेशन में सभी संभागों द्वारा गुरूवर की मंगल अगवानी बैनर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से की जाएगी ।

राजस्थान सिख समाज डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'सरबंस दानी' आज रिलीज करेगा

शाबाश इंडिया

इस फिल्म में सिख धर्म के दसवें गुरु, साहिबे कमाल गुरु गोबिंद सिंह जी और दादू संप्रदाय के पांचवें मुखी शिरोमणि महंत जैतराम जी के ऐतिहासिक मिलन को दर्शाया गया है। लगभग 317 साल पूर्व श्री गुरु गोबिंद सिंह जी अपने जीवन के अंतिम सफर में नांदेड़ (महाराष्ट्र) जाते हुवे राजस्थान के कई क्षेत्रों का दौरा करते जयपुर (आमेर) से नरैना गांव (दूदू) पहुंचे। वहां उन्होंने दादू संप्रदाय के 5वें मुखी महंत जैतराम जी से मुलाकात की। महंत जी के साथ इस ऐतिहासिक मिलन में धार्मिक, सामाजिक विषयों के इलावा अक्रांताओ द्वारा असहाय, निर्बल समुदायों पर किए जा रहे अत्याचार का मुकाबला करने के लिए जिस तरह एक योद्धा कौम ₹खालसा पंथ₹ की स्थापना हुई और इसके बाद गुरु गोबिंद सिंह जी ने देश की अखंडता के लिए अपना सरबंस न्यौछावर कर देश की अस्मिता की रक्षा की, इन सभी घटनाओं से महंत जी, गुरु जी के महान त्याग से अवगत हुवे। गुरु जी ने महंत जी के आतिथ्य में 13 दिन अपने शाही लश्कर के साथ नरैना गांव में गुजारे। राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह ने बताया कि गुरु जी और महंत जी के ऐतिहासिक मिलन को चिरस्थाई बनाए रखने के लिए पंजाब की खडूर साहिब कारसेवा संस्था द्वारा नरैना (दूदू) में ₹चरण कमल साहिब पातशाही दसवीं₹ सुंदर गुरुद्वारा और सरोवर का निर्माण किया गया है। इस आध्यात्मिक स्थान के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुवे राजस्थान सरकार द्वारा इस गुरद्वारे के साथ ₹सिख पनोरमा₹ की भी स्थापना की है। राजस्थान सिख समाज के बैनर तले बनी इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'सरबंस दानी' का लेखन, डायरेक्शन सिख जाग्रति के संपादक ओंकार सिंह ने किया। इस फिल्म में गुरद्वारे के निर्माण में संतजनों, सिख बुजुर्गों और सेवादारों की समर्पण सेवा का भी उल्लेख किया गया है जिनकी वजह से ऐतिहासिक गुरद्वारा वजूद में आया। रूपक आधारित इस तथ्यात्मक फिल्म में बीबी जसपाल कौर, हरप्रीत कौर, मनमीत कौर, कमलदीप कौर, जसलीन कौर एवम हरप्रीत (जूनियर) ने हिस्सा लिया। फिल्म में इंट्रोडक्टरी कमेंट्री डॉ. तरनजीत कौर ने दी है। फिल्म का प्रीमियर शो सैंट सोल्जर स्कूल सी-स्कीम आज प्रात 11बजे शुरू होगा। इसके बाद इसे सोशल मीडिया के सभी चैनल पर शेयर कर दिया जाएगा।

संकलन : ओंकार सिंह

मार्निंग वॉक क्लब महावीर नगर जयपुर द्वारा टी पार्टी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। मार्निंग वॉक क्लब महावीर नगर जयपुर के तत्वावधान में आज 21दि. सितम्बर को -24 को टी पार्टी का आयोजन सुरेन्द्र पाण्डया एकता ब्लाक (अध्यक्ष-सोशल मीडिया, जयपुर महानगर) के आवास पर किया गया। टी पार्टी में न्यायमूर्ति जस्टिस एन.के.जैन,अनिल जैन पूर्व आई पीएस,कमल जैन, सुनील बज(मंत्री श्री दि.जैन मंदिर महावीर नगर) पवन काला, सुरेन्द्र शाह सपत्नीक उपस्थित थे। सुरेन्द्र पाण्डया एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मृदुला जी ने सभी का आतिथ्य सत्कार किया। श्रीमती शैल बंसल भी उपस्थित थी। पाण्ड्या व उनके परिवार का हृदय से आभार। इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे से क्षमा याचना की।

वेद ज्ञान

भौतिक सुख की चाह...

इस संसार में ज्यादातर लोग भौतिक सुखों को ही सब कुछ मान बैठते हैं और इन्हें प्राप्त करने में अपना पूरा जीवन व्यतीत कर देते हैं। आश्चर्यजनक बात यह कि इसके बावजूद वे यह दावा नहीं कर पाते हैं कि उनका जीवन पूर्णतः सुखमय बीता। वे यह शिकायत करते मिल जाएंगे कि अपने जीवन में वे इस या उस वस्तु का सुख नहीं ले पाए, जिसका उन्हें बहुत मलाल है। वस्तुतः ऐसे लोग यह सोचते हैं कि उन्हें अमुक चीज मिल जाए, तो उनका जीवन धन्य हो जाए। कुछ प्रयासों के बाद अगर उन्हें वह वस्तु मिल भी जाए, तो वे किसी और चीज को पाने की कामना करने लगते हैं। इस तरह वे हर समय किसी न किसी चीज की कामना करते रहते हैं और उसे पाने के लिए जीवन-पर्यंत प्रयास करते रहते हैं। बहुत देर हो जाने के बाद उन्हें यह अहसास जरूर होता कि उन्होंने अपना पूरा जीवन व्यर्थ में ही गवां दिया। हमें मनुष्य जीवन बड़े सौभाग्य से मिला है, इसलिए नित्य कर्म करने के अलावा हमारे जीवन का एक विशेष उद्देश्य भी होना चाहिए। इस धरती पर हर चीज का कोई न कोई विशेष उद्देश्य जरूर है। जिस तरह सुई का काम सिलाई करने का है, तो तलवार का काम काटने का। न सुई का काम तलवार कर सकती है और न तलवार का काम सुई। दोनों का अपना-अपना उद्देश्य है। इसी तरह हम सबके जीवन का भी कोई न कोई उद्देश्य जरूर होना चाहिए और हमें हर हाल में इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रयास करना चाहिए। मनुष्य को सांसारिक मोहमाया में फंस कर नहीं रह जाना चाहिए, बल्कि उसे इससे बाहर निकलकर अपने जीवन के उद्देश्य के प्रति समर्पित भाव से साधनारत रहना चाहिए। जब तक हमें अपनी मंजिल मालूम नहीं होगी, तब तक हम भटकते रहेंगे और हमारी यात्रा कभी पूरी नहीं हो पाएगी। कुछ लोग अपने जीवन का उद्देश्य खोजने और उसे प्राप्त करने के बदले भाग्य के भरोसे बैठ जाते हैं। वे यही कल्पना करते रहते हैं कि उनके भाग्य में जो होगा, वह उन्हें मिलकर ही रहेगा। ऐसे लोग यह बात भूल जाते हैं कि मनुष्य कर्मयोगी है और कर्म किए बिना उसका भाग्य अधूरा है। हमारे कर्म से ही हमारा भाग्य बनता है। कर्म पर विश्वास करने वालों के कामों के परिणाम का अनुमान लगाया सकता है, लेकिन भाग्यवादियों के मामले में ऐसा नहीं होता।

संपादकीय

अदालतों में शालीनता की जरूरत

अदालतों में व्यक्त न्यायाधीशों के विचारों और बयानों को आम लोग फैसले की कड़ी के रूप में देखते हैं। उसके आधार पर किसी मसले पर सही और गलत के बारे में राय बनाते हैं। मगर कई बार कुछ न्यायाधीशों के मुंह से ऐसी बातें निकल जाती हैं, जो न केवल उनके पद की गरिमा के विरुद्ध होती, बल्कि उनसे समाज में नाहक अनुचित प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिलता है। कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की ऐसी ही टिप्पणी

पर सुप्रीम कोर्ट को सख्त रुख अख्तियार करना पड़ा। गौरतलब है कि कर्नाटक हाई कोर्ट के जज ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान एक महिला वकील की गरिमा को भंग करने वाली आपत्तिजनक टिप्पणी की और बंगलुरु के एक मुसलिम बहुल इलाके को ह्यपाकिस्तानह्ल कह कर संबोधित किया। हैरानी की बात है कि ऐसी टिप्पणियां करते हुए उन्हें यह याद तक न रहा कि वे न्यायाधीश के सम्मानित पद का निर्वाह कर रहे हैं। हालांकि ऐसे संकीर्ण और दुराग्रहपूर्ण विचार किसी भी सामान्य विवेक वाले व्यक्ति को नहीं रखने चाहिए। स्वाभाविक ही इन टिप्पणियों के सुर्खियों में आने के बाद सभी स्तरों पर लोगों ने चिंता जताई और सुप्रीम कोर्ट ने उनका स्वतः संज्ञान लिया। प्रधान न्यायाधीश की अगुआई वाली पांच जजों की पीठ ने शुक्रवार को कहा कि संवैधानिक अदालत में

न्यायाधीशों की टिप्पणियों को लेकर सख्त दिशानिर्देश बनाने की जरूरत है। पीठ के मुताबिक, सोशल मीडिया अदालत की कार्यवाही पर नजर रख रही है, तो हमें कोई भी टिप्पणी करते समय शालीनता बनाए रखनी चाहिए। समाज में न्यायाधीशों की छवि ऐसी होती है कि उनके वक्तव्यों को लोग न्याय का वक्तव्य समझते हैं। इसलिए ऐसे जिम्मेदार पद का निर्वाह करने वाले व्यक्ति को कोई भी टिप्पणी करते या कुछ भी बोलते हुए हर स्तर पर संवेदनशीलता बरतने की जरूरत है। मगर अफसोस कि कई बार अदालतों में बैठ कर न्यायाधीश किसी मामले की सुनवाई के दौरान मुकदमे के कानूनी पहलुओं और उसकी बारीकियों पर बात करने के बजाय अनावश्यक रूप से ऐसी टिप्पणियां कर देते हैं, जो सामान्य नैतिकता के लिहाज से भी, किसी रूप में उचित नहीं कही जा सकतीं।

परिदृश्य

धन और समय की बचत...

लोकतांत्रिक मूल्यों का आधुनिक आदर्श भारत एक महत्वपूर्ण सुधार की दहलीज पर खड़ा है- एक देश एक चुनाव एक ऐसे राष्ट्र के रूप में, जिसने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए मानदंड स्थापित किए हैं, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम इस बात पर विचार करें कि हमारी लोकतांत्रिक प्रणालियों की प्रभावशीलता, समानता और स्थिरता को कैसे बेहतर बनाया जाए। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए चुनाव जरूरी हैं, पर उन्हें देश के राष्ट्रीय विकास के एजेंडे की सेवा करनी चाहिए, न कि इसमें बाधा डालनी चाहिए। एक साथ चुनाव भारतीय शासन की पूरी क्षमता को 'अनलॉक' करेगा। यह हमारे लोकतंत्र को सुव्यवस्थित करने के साथ ही प्रेरणा का काम कर सकता है। अभी होता यह है कि देश लगातार चुनाव अभियान की मुद्रा में रहता है, जिसमें राजनीतिक दल शासन के बजाय चुनावी रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। एक साथ चुनाव कराने का सबसे बड़ा लाभ यह भी है कि वित्तीय बचत होगी। यह भारत जैसे विकासशील देशों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहां बार-बार होने वाले चुनावों से बचाए गए धन का उपयोग बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहतर तरीके से किया जाता है। लोकतांत्रिक सिद्धांत की मांग है कि सार्वजनिक धन का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाना चाहिए और एक साथ चुनाव कराना उस दिशा में एक कदम है। चुनावों के समन्वय से एक अधिक स्थिर राजनीतिक माहौल बनेगा, जिससे कंपनियां हर कुछ महीनों में संभावित नीतिगत बदलावों के खिलाफ अपने दांव को सुरक्षित रखने के बजाय विकास और विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी। कंपनियां आश्वस्त होकर योजना बना सकेंगी। इसके अलावा, चुनावों का निरंतर चक्र अक्सर महत्वपूर्ण नीतियों के क्रियान्वयन को मुश्किल बना देता है। विकास की पहल अक्सर रुक जाती है, और सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक गति खो जाती है। एक साथ चुनाव इन रुकावटों को कम कर देंगे, जिससे शासन अपने कार्यकाल की अवधि के दौरान विकास और शासन पर ध्यान केंद्रित कर सकेगा। एक साथ चुनाव कराने से मतदान को भी बढ़ावा मिलेगा, जो किसी भी कार्यशील लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। चूंकि जनता एक समय में व्यापक पैमाने पर निर्णय ले रही होगी, इसलिए राजनीतिक दलों को स्थानीय और राष्ट्रीय, दोनों मुद्दों को संबोधित करने वाले अधिक गहन अभियान चलाने की जरूरत होगी। एक साथ चुनाव कराने से राष्ट्रीय दलों को स्थानीय मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। मतदाता अधिक विचारशील और सुविचारित निर्णय लेंगे, इससे भारत का लोकतंत्र मजबूत होगा। ब्राजील, फिलीपींस सहित अनेक देशों ने एक साथ चुनाव कराने के कुछ तरीके अपनाए हैं, जिससे यह साबित होता है कि यह मॉडल व्यावहारिक और प्रभावी है। इन देशों ने एक साथ कई स्तरों पर चुनाव कराने के लाभ देखे हैं, जिसमें कम लागत, मतदान में वृद्धि और अधिक कुशल शासन शामिल है। भारत अपने विशाल मतदाताओं और जटिल राजनीतिक परिदृश्य के साथ, ऐसी प्रणाली से और भी अधिक लाभ उठा सकता है। यद्यपि एक देश एक चुनाव योजना में कठिनाइयां हैं, पर उन्हें दूर करना होगा। समवर्ती चुनाव सरकार को सरल बनाएंगे।

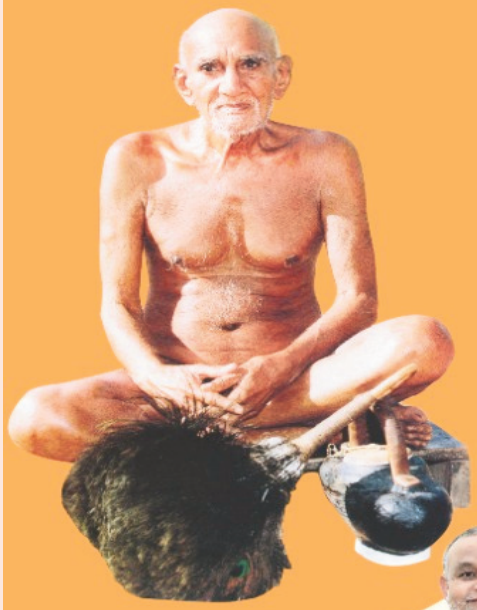

श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर,
सेक्टर-8
प्रताप नगर, जयपुर
वात्सल्य रत्नाकर
आचार्य श्री 108 विमलसागर जी मुनिराज का
109 वाँ जन्म जयन्ती पर्व
त्रय-दिवसीय महामृत्युंजयमण्डल
विधान पूजन एवं विश्वशान्ति महायज्ञ
दिनांक 22 | 23 | 24 सितम्बर, 2024
स्थान : सामुदायिक केन्द्र,
सेक्टर-11, प्रताप नगर, जयपुर
पावन सान्निध्य..
वात्सल्य मूर्ति
पूज्य उपाध्याय श्री 108
ऊर्जयन्तसागर जी मुनिराज
आत्मीय मंगल आमंत्रण
सौधर्म इन्द्र
श्री कमलेश कुमार जी
श्रीमती अनिता जी जैन (बावड़ी वाले)
- विधानाचार्य -
पं. सुरेन्द्र कुमार जी जैन
सलुम्बर
संगीतकार : प्रीति जी जैन
जबलपुर (म.प्र.)
यज्ञनायक
श्री त्रिलोक चंद जी
श्रीमती आशिका काला (निवाई वाले)
मुख्य कलश स्थापनकर्ता
श्री शिखर चंद जी
श्रीमती सुप्रिया गोधा (सारसोप वाले)
जाप्य कलश स्थापनकर्ता
श्री सुखानन्द जी
श्रीमती गुणमाला काला (दुर्गापुरा वाले)
कुबेर इन्द्र
श्री महेश जी
श्रीमती सुनीता सेठी (मालपुरा वाले)
ईशान इन्द्र
श्री महावीर कुमार जी (चिचीवाले)
श्रीमती सुमन पहाड़िया-नेहा टेलीकॉम)
सानत इन्द्र
श्री कैलाश चन्द जी
श्रीमती मंजू देवी जैन (देवली वाले)
शुक्र इन्द्र
श्री जिनेन्द्र जी
श्रीमती संगीता गंगवाल (निमोडिया वाले)
माहेन्द्र इन्द्र
श्री प्रकाशचंद जी
श्रीमती प्रेम देवी गंगवाल (चौरू वाले)
ब्रह्म इन्द्र
श्री सुनील कुमार जी
श्रीमती सुरेखा जैन (परानावाले)
ब्रह्मोत्तर इन्द्र
श्री सुमति जी
श्रीमती मोना जैन (भेडूलावाले)
लान्तव इन्द्र
श्री शुभम जी
श्रीमती आयुषी जैन (त्रिवेणी नगर)
कापिष्ठ इन्द्र
श्री बाबू लाल जी
श्रीमती अनिता जैन ईटून्दा
महाशुक्र इन्द्र
श्री अविनाश जी
श्रीमती अंजली जैन (पचेवर वाले)
सहस्रार इन्द्र
श्री कमल चंद जी
श्रीमती स्नेहलता सोगानी
आणत इन्द्र
श्री हुकुम चंद जी
श्रीमती अनिता जैन (डीवरू वाले)
प्राणत इन्द्र
श्री सुरेश जी
श्रीमती बीना जी जैन (वजीरपुर वाले)
आरण इन्द्र
श्री सौभाग्यमल जी
श्रीमती मैना देवी छाबड़ा
(अजमेरी वाले)
अच्युत इन्द्र
श्री महेंद्र जी
श्रीमती मधु जैन (पचाला वाले)
कार्यक्रम के पश्चात सभी महानुभावों के अतिथि वात्सल्य की व्यवस्था आयोजन स्थल पर रहेगी
आयोजक : उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्तसागर जी वर्षायोग समिति-2024
विनीत : सकल दिगम्बर जैन समाज प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' कराने से क्या बदलाव आएगा?

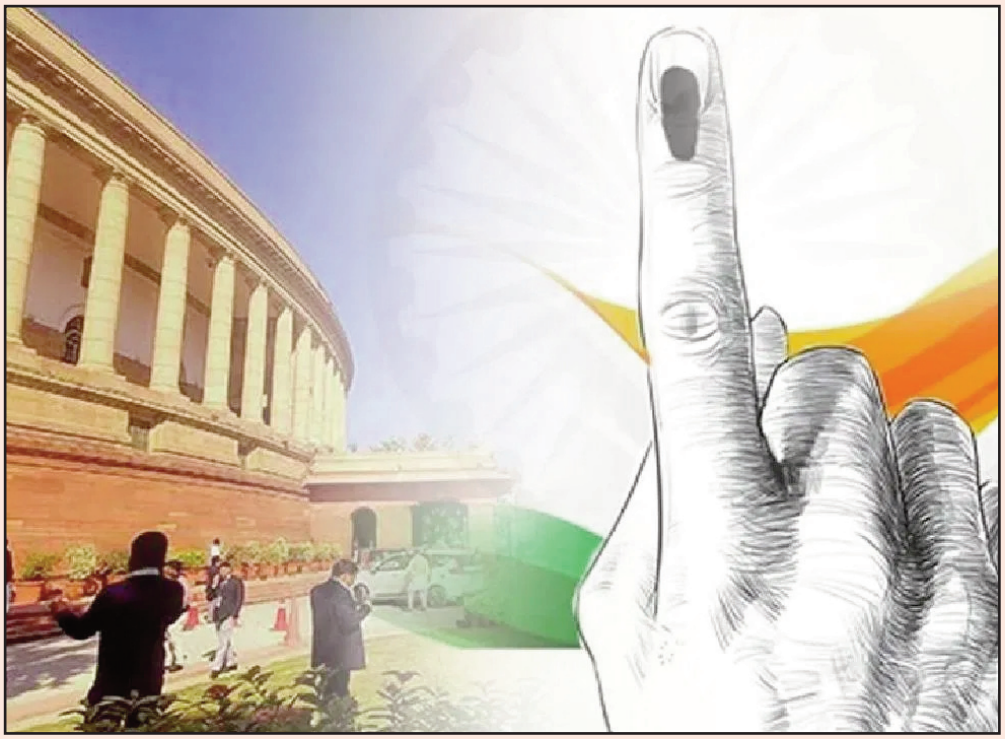

एक राष्ट्र एक चुनाव भारत में प्रस्तावित चुनावी सुधार है जो देश में सभी चुनावों को एक साथ कराने की वकालत करता है, चाहे वह संसदीय, राज्य विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनाव हों, हर पाँच साल में एक बार एक साथ कराए जाने चाहिए। इस अवधारणा का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना, चुनाव से संबंधित खर्चों को कम करना, बार-बार होने वाले चुनावों से होने वाले व्यवधान को कम करना और अभियान से हटकर नीति कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करके शासन को बेहतर बनाना है। समर्थकों का तर्क है कि इससे मतदाताओं की भागीदारी भी बढ़ेगी और चुनावों का निरंतर चक्र समाप्त होगा। हालाँकि, कार्यान्वयन के लिए व्यापक संवैधानिक संशोधनों और राजनीतिक दलों और हितधारकों के बीच आम सहमति की आवश्यकता होती है। एक राष्ट्र एक चुनाव के पीछे का विचार भारत में लोकसभा (संसद का निचला सदन) और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ समयबद्ध करना है। फिलहाल, भारत में हर पाँच साल में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए राष्ट्रीय चुनाव होते हैं। सरकार पर लागत का बोझ बढ़ाने के लिए, कुछ राज्य अपनी राज्य विधानसभाओं के लिए अलग-अलग चुनाव भी कराते हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा के तहत सभी चुनाव एक साथ आयोजित करके, चुनावों की संख्या और उनके साथ होने वाले खर्चों को कम करके चुनावी प्रक्रिया को सरल बनाने की उम्मीद है। इस समन्वय के कारण मतदाता एक साथ कई चुनावों में भाग ले सकते हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया सुव्यवस्थित होगी और संभवतः मतदान में वृद्धि होगी। प्रशासन को चुनाव समय-सारिणी में सामंजस्य स्थापित करके शासन की प्रभावशीलता में सुधार करने की उम्मीद है। भारत में एक राष्ट्र एक चुनाव के क्रियान्वयन के कई संभावित लाभ हैं, विभिन्न स्तरों पर चुनावों को एक साथ कराने से चुनाव संबंधी व्यय में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिसमें सुरक्षा, रसद और प्रचार की लागत शामिल है। बार-बार चुनाव होने से अक्सर शासन में व्यवधान पैदा होता है क्योंकि नीति कार्यान्वयन के बजाय चुनाव प्रचार पर ध्यान केंद्रित हो जाता है। एक राष्ट्र एक चुनाव से शासन को स्थिर करने की लंबी अवधि मिलेगी, जिससे निर्वाचित प्रतिनिधि नीतियों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। बार-बार चुनाव होने से कभी-कभी मतदाता थक जाते हैं और मतदान में कमी आती है। एक साथ चुनाव होने से मतदाताओं को हर पाँच साल में केवल एक बार ही वोट डालना होगा, जिससे संभावित रूप से मतदाताओं की भागीदारी बढ़ेगी और वे अधिक सूचित निर्णय ले सकेंगे। एक साथ चुनाव होने से नीति निरंतरता सुनिश्चित होगी क्योंकि एक ही सरकार एक निश्चित अवधि के लिए सभी स्तरों पर सत्ता में रहेगी। इससे दीर्घकालिक योजना और सुसंगत नीति कार्यान्वयन में सुविधा होगी। अलग-अलग समय पर कई चुनाव कराने से प्रशासनिक मशीनरी पर दबाव पड़ता है। एक राष्ट्र एक चुनाव से चुनाव आयोगों पर बोझ कम होगा। समन्वित चुनावों से संभावित रूप से अधिक राजनीतिक स्थिरता आ सकती है, क्योंकि इससे बार-बार होने वाले मध्यावधि चुनावों, गठबंधन सरकारों और इससे जुड़ी अस्थिरता की संभावना कम हो जाएगी। भारत में एक राष्ट्र एक चुनाव के क्रियान्वयन में कई संभावित कमियाँ हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव भारत में विभिन्न राज्यों की अद्वितीय राजनीतिक गतिशीलता और क्षेत्रीय हितों को कमजोर कर सकता है, क्योंकि यह एक समान चुनाव चक्र को बढ़ावा देता है। यह अलग-अलग राज्यों के विविध मुद्दों और आकांक्षाओं को नजरअंदाज कर सकता है, जिससे उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं की उपेक्षा हो सकती है। समकालिक चुनावों के साथ, एक जोखिम है कि राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय चिंताओं पर हावी हो जाएँगे। स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान और चर्चा नहीं हो सकती है, क्योंकि राजनेता राष्ट्रीय स्तर के प्रचार और एजेंडे पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। भारत का संघीय ढांचा राज्यों को अपनी सरकारें और नीतियाँ रखने की अनुमति देता है। एक राष्ट्र एक चुनाव शक्ति और निर्णय लेने को केंद्रीकृत करके इस संघीय ढांचे को कमजोर कर सकता है, जिससे राज्यों की स्वायत्तता और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। बार-बार चुनाव होने से मतदाता थक सकते हैं, जहाँ नागरिक असंबद्ध हो जाते हैं और चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने में कम रुचि रखते हैं। एक साथ चुनाव कराने के लिए प्रचार उद्देश्यों के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है। सीमित फंडिंग वाले छोटे दल या उम्मीदवार बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से राजनीतिक प्रतिनिधित्व में असंतुलन पैदा हो सकता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आवाजों की विविधता सीमित हो सकती है। भारत के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराएं, प्राथमिकताएं और नीतिगत प्राथमिकताएँ हो सकती हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव नीति निरंतरता को बाधित कर सकता है, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर की सरकारों में बदलाव से राज्य स्तर के शासन में महत्वपूर्ण बदलाव हो सकते हैं, जो संभावित रूप से दीर्घकालिक योजना और विकास को प्रभावित कर सकते हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में समकालिक चुनावों को लागू करना महत्वपूर्ण तार्किक चुनौतियाँ पेश करता है। पर्याप्त सुरक्षा, कुशल प्रशासन और कई हितधारकों के बीच समन्वय सुनिश्चित करना जटिल हो सकता है और इससे चुनाव कराने में तार्किक विफलताओं या देरी का जोखिम बढ़ सकता है। संविधान संशोधनः विभिन्न स्तरों पर चुनावी चक्र और सरकारों के कार्यकाल को बदलने के लिए संविधान के कई प्रावधानों में संशोधन करने की आवश्यकता होगी, जो एक जटिल और समय लेने वाली प्रक्रिया हो सकती है। एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव का उद्देश्य चुनावों की आवृत्ति को कम करना और चुनावों के निरंतर चक्र से बचकर अधिक कुशल शासन प्रणाली बनाना है, जो विकास कार्यों को बाधित कर सकता है और महत्वपूर्ण वित्तीय बोझ डाल सकता है। अधिवक्ताओं का तर्क है कि इससे बेहतर नीति निरंतरता होगी, क्योंकि सरकारों के पास बार-बार चुनावों से बाधित हुए बिना अपने कार्यक्रमों को लागू करने के लिए एक निश्चित कार्यकाल और पर्याप्त समय होगा। हालांकि, ₹एक राष्ट्र, एक चुनाव₹ के कार्यान्वयन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और इसके लिए संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होती है। भारतीय संविधान में कहा गया है कि राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल पाँच वर्ष का होता है, जबकि लोकसभा का कार्यकाल अविश्वास प्रस्ताव या अन्य तरीकों से पहले ही भंग किया जा सकता है। सभी चुनावों को एक साथ कराने के लिए, राज्य विधानसभाओं या लोकसभा को समय से पहले भंग करना होगा या उनके कार्यकाल को सरेखित करने के लिए विस्तारित करना होगा। इसके अतिरिक्त, भारत के राजनीतिक परिदृश्य और देश के संघीय ढांचे की विविधता विभिन्न राजनीतिक दलों और राज्यों के बीच आम सहमति प्राप्त करना जटिल बनाती है। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक गतिशीलता, क्षेत्रीय मुद्दे और स्थानीय चिंताएँ हैं, जो चुनावों के लिए एक केंद्रीकृत दृष्टिकोण के साथ सरेखित नहीं हो सकती हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ,
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

परम पूज्य नवाचार्य श्री १०८ समयसागर जी महाराज

महिला संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव 108

श्री सुधासागर जी महाराज

के पावन सान्निध्य में

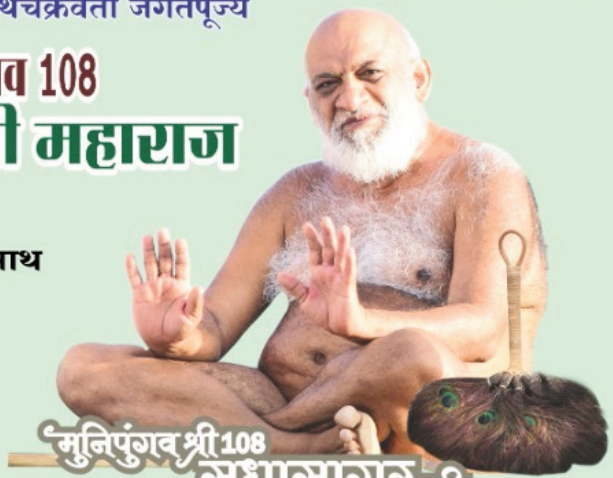

ऐतिहासिक सफलताओं के साथ

अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति एवं

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति

29 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)

25-26 सितम्बर, 2024

राष्ट्रीय महिला नेतृत्व श्रीमती शीला जैन डोड्या

टीम का विशेष अनुरोध :

आप सभी सदस्याएँ अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर पर गुरू आशीष से सिंचित हों।

: परम शिरोमणि संरक्षक :

वृत्ति श्राविका श्रीमती सुशीला पाटनी

मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

: संरक्षक :

श्रीमती शान्ता पाटनी श्रीमती तारिका पाटनी

मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

राष्ट्रीय अध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	युवा प्रकोष्ठ मंत्री	महिला प्रकोष्ठ मंत्री
शीला जैन डोड्या	श्रीमती इन्दु गाँधी	डॉ. वन्दना जैन	डॉ. ममता जैन	मधु शाह
जयपुर	अशोक नगर	जयपुर	पुणे	कोटा

संयोजक श्रीमती शालिनी बाकलीवाल • श्रीमती संगीता सौगानी • श्रीमती डिम्पल गदिया

श्रीमती ममता गंगवाल • श्रीमती रेखा 'अहिंसा' • श्रीमती मधु पाटनी

सह-संयोजक : श्रीमती रानू कर्रापुर, श्रीमती प्रीति पाली, श्रीमती साक्षी सराफ, श्रीमती सोभना जैन, श्रीमती मीना चश्मा, श्रीमती सुषमा चौधरी, श्रीमती कान्ता जैन, श्रीमती प्रीति जैन, श्रीमती सुनीता नायक, श्रीमती सपना जैन, श्रीमती ज्योति बम्हौरी, श्रीमती रीता मोदी, श्रीमती कल्पना जैन

वात्सल्य सत्कार : बाहर से पधारने वाले महानुभावों हेतु आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।

विद्या सुधामृत सामाजिक कल्याणक समिति, सागर (म.प्र.)

सुरेन्द्र जैन (सट्टू)	राजकुमार जैन मिन्नी	राजेश जैन एडीना	राजेन्द्र जैन केसली	ऋषभ जैन बादरी	सुरेन्द्र जैन डबडेरा	आशीष जैन पटना
अध्यक्ष	महामंत्री	अध्यक्ष	गौरव अध्यक्ष	मुख्य संयोजक	कोषाध्यक्ष	स्वागत अध्यक्ष
93029-12981	94605-67981	93029-12981	94251-71451	93029-10021	98262-93384	94251-72301

फ्रॉड से बचने के लिए जागरूकता बहुत जरूरी है

मेरे पास 19 सितंबर को +92 3074230427 से व्हाट्सएप पर 11: 18 बजे पुलिस का फोन आया जो अपने आप को SHO बता रहा था उन्होंने मुझसे पूछा आपका लड़का कहां है मैंने कहा है वह फैक्ट्री गया है फिर उन्होंने कहा कि हमने रेप केस में चार लड़कों को अभी पकड़ा है और उनके साथ आपके लड़के को भी पकड़ा है वह उसका भी नाम ले रहे हैं पर हमें लग रहा है कि वह निर्दोष है वह उसे फंसाना चाहते हैं। पर वह उनके साथ पकड़ा गया है और वह उसका भी नाम ले रहे हैं कि वह भी शामिल था। बच्चा सभ्य घर का लग रहा है। फिर पुलिस वाले ने कहा कि आप अपने लड़के को बचाना चाहते हैं क्या? बातों में कई तरह का टेरर पैदा करने की कोशिश करते रहे। उसकी जमानत भी नहीं होगी और चार-पांच साल की जेल हो जाएगी। और भी कई तरह की बातें कर रहे थे फिर उन्होंने पूछा आपको लड़का कैसे संबोधित करता है पापा बोलता है या और कुछ बोलता है मैंने कहा पापा ही बोलता है तब उन्होंने कहा की बुलाओ उनके लड़के को उसकी बात करवाओ इनसे तब एक आवाज आई पापा मुझे बचा लो मुझसे गलती हो गई है। फिर पुलिस वाला बोला इसकी जमानत भी नहीं होगी।पुलिस वाले ने कहा कि आप भी भले घर के लगते हैं। हम इसको ऊपर के ऊपर छोड़ने की व्यवस्था कर देंगे आपको अभी तुरंत हमको ऑनलाइन ₹40000 ट्रांसफर कर दें। साथ साथ में वह यह भी कह रहे थे कि आप उसे फोन नहीं करेंगे नहीं तो वह और फंस जाएगा और मेरी वर्दी उतर जाएगी। हम आपकी मदद करना चाहते हैं इसलिए जल्दी करिए यह फोन काटेंगे भी नहीं पैसा तुरंत ट्रांसफर कर अपने बच्चे को बचा ले। ऐसा फ्रॉड करने वाले ऐसा माहौल बना देते हैं कि आपकी सोचने समझने की शक्ति खत्म हो जाती है।मैं यह रिकॉर्डिंग करना चाह रहा था पर व्हाट्सएप कॉल में शायद टेप करने की सुविधा नहीं होती है। मुझे कुछ शक भी हो रहा था कि यह पुलिस का फर्जी कॉल तो नहीं है पर व्हाट्सएप ट्रूकॉलर पर पुलिस लिखा हुआ आ रहा था उसने अपने आप को SHO बताया था इसलिए कंफ्यूजन भी था और डर भी था। इसलिए मैंने उनसे कहा कि मेरे पास ऑनलाइन अकाउंट नहीं है मैं ट्रांसफर करवाने की व्यवस्था करवाता हूं किस नंबर पर ट्रांसफर करवाना है वह नंबर मेरे को दे उन्होंने यह नंबर 8660304832 भी मुझे दे दिया। मैं फोन म्यूट कर अपने छोटे लड़के के पास गया और उसको बात बताई तो मेरे छोटे लड़के ने फोन पर बात कर मालूम किया तो भैया वही फैक्ट्री में ही था। तब मेरे लड़के ने उस पुलिस वाले से पूछा आप कौन बोल रहे हैं। आवाज पलट गई थी तब पुलिस वाले ने उससे पूछा कि आप कौन बोल रहे हैं तो वह बोला मैं उनका लड़का बोल रहा हूं तब पुलिस ने पूछा कि पहले कौन बात कर रहा था वह बोला मेरे पिताजी थे। पुलिस वाला बोला आप कौन बोल रहे हैं तब मेरा लड़का बोला मैं वह बोल रहा हूं जिसे आपने पकड़ रखा है। इतना सुनते ही उस फर्जी पुलिस वाले ने फोन काट दिया। फिर मेरे लड़के ने मुझे कहा कि ऐसे पहले भी किसी के साथ हुआ था तो वह मुझे ध्यान था। इस तरह की घटना और किसी के साथ ना हो इसलिए समाज में जागरूकता के लिए मैं इस सच्ची घटना को बता रहा हूं। इसकी लिखित शिकायत मैंने पुलिस में यह लिखकर दी कि आप आवश्यक कार्रवाई के साथ-साथ लोगों को हो रहे इस तरह के फ्रॉड से बचने के संदेश जनता में भी प्रेषित करें।पुलिस वाले ने बताया की एक फ्रॉड और हो रहा है जिसमें एक लड़की आपको रात में वीडियो कॉल करती है और मीठी-मीठी बातें करती है यहां तक की वह अपने कपड़े भी उतार आपको उलझा देती है। उसके बाद आपको ब्लैकमेल करने, सीबीआई आदि की धमकी देकर धन वसूलने का कार्य होता है। साथ ही उसने समझाया जब भी ऐसा कोई कॉल आए आप सुनकर काट दें और पुलिस को यथासंभव सूचित भी करें।

जागृति में सहयोगी
जयपुर जैन सभा समिति
(सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस)

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद

राजा की तरह जिन्दगी जीने के लिए..
गुलाम की तरह मेहनत करनी पड़ती है..!

एक युवक से पूछा --? सवेरा कब होता है --? उसने हंसते हुये कहा - रोज 8 बजे और रविवार को 11 के बाद। हमने कहा - मैं समझा नहीं? युवक ने कहा- रविवार को छुट्टी रहती है तो 11 के बाद सो कर उठता हूं। और बाकी के दिनों काम पर जाता हूँ तो 8 बजे उठता हूं। मैं जब उठता हूं तब सुबह होती है। हमने कहा ठीक है - जब जागो तब सवेरा। दरअसल रात कभी होती ही नहीं है। और अगर होती है, तो हमारी वजह से ही होती है। रात तभी तक है, जब तक की आँखें बंद है। एक व्यक्ति दिन के 12:00 बजे भी सो रहा है। उसके लिए वह दिन भी रात जैसा है। और दूसरा व्यक्ति जो नाइट ड्यूटी पर है, रात्रि जागरण कर पहरा दे रहा है, उसके लिए वह रात भी प्रभात जैसी है। भगवान महावीर ने दिन के 12:00 बजे गृह त्याग किया, तो महात्मा बुद्ध ने रात्रि के 12:00 बजे घर छोड़कर सन्यास लिया। बुद्ध के लिए रात्रि के 12:00 बजे, दिन के 12:00 बजे जैसे बन गए। सुबह हर पल है। जिस किसी ने भी जब आँखें खोली, तो पाया कि सुबह हो गई है। रात है, इसलिए हम सो रहे हैं। ऐसा नहीं है। हम सो रहे हैं, इसलिए रात है। रात और प्रभात दोनों हमारी वजह से है। जागरण और मरण का कोई मुहूर्त नहीं होता है। जब जागे तभी सवेरा, जब सोए तभी अंधेरा!

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

नयनप्रिय दार्शनिक स्थल बनने जा रहा है सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दि.जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी राजस्थान की पावन धरा पर अद्वितीय द्वितीय वषायोग 2024 में प.पू.भारत गौरव गणिनी गुरुमां विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में धर्म की महती प्रभावना हो रही है। प्रतिक जैन सेठी ने बताया कि जयपुर झोटवाड़ा से एक बस लेकर आये हुए यात्रियों ने क्षेत्र की वंदना एवं गुरुमां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। पूज्य आर्यिका श्री ने धर्मोपदेश देते हुए कहा कि-जीवन यात्रा को गन्तव्य तक पहुंचाने का मार्ग संकल्प मात्र ही है। जिस प्रकार हम लक्ष्य बनाते है कि मैं इस क्षेत्र की वंदना करने जाऊंगा,चाहे बीच में कितने भी पड़ाव आ जाये मगर व्यक्ति

रुकता नहीं,निरंतर बढ़ता रहता है। उसी प्रकार मोक्ष रूपी मंजिल को पाना है तो मनुष्य जीवन रूपी इस यात्रा में दृढ़ संकल्प लेकर मोक्षमार्ग पर निरंतर बढ़ते चलो, एक दिन आपको मंजिल जरूर मिलेगी। आज पूज्य गुरूमाँ ने अनशन व्रत को धारण कर सुदृढ़ चर्या का परिचय दिया। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की इसी के साथ जयपुर, दिल्ली, रूपनगढ़, निवाई,सोलापुर, राहोली, अजमेर, मुम्बई, गुडगांव, देवली से पधारे हुए यात्रियों ने निमार्णाधीन सहस्त्रकूट जिनालय की खूब खूब अनुमोदना की। उपलब्ध सुविधायें एवं नयन प्रिय दार्शनिक स्थल होने से हजारों की संख्या में यात्रीगण क्षेत्र से जुड़ रहे है। जिनालय का निर्माण सातिशय पुण्य के प्रताप से हुआ करता है। हम सब भी इस सातिशय पुण्य के भागी बनने का सुअवसर प्राप्त करें। मंदिर निर्माण में सहयोगी बनकर अक्षय पुण्य कमाये।

श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति की सृजन विविधा सम्पन्न हुई

इन्दौर. शाबाश इंडिया

श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति के साप्ताहिक आयोजन सृजन विविधा का आयोजन सम्पन्न हुआ। पहली बार इस कार्यक्रम में सम्मिलित कवि व समीक्षक संजय एम. तराणेकर ने बताया कि ''इक जमीं पर आसमानी इश्क खुशबुओं की राजधानी इश्क'' इस बार सृजन विविधा की शुरूआत करते हुए शीतल देवयानी ने यह खूबसूरत गजल पढ़कर कार्यक्रम को खुशनुमा बना दिया। कीर्ति मेहता ने भी ''प्रेम के धागे बुने जो तुम पिया चटका गए'' कुहासा शीर्षक से गीत पढ कर कार्यक्रम को बड़ी खूबसूरती से आगे बढ़ाया। दिलीप नीमा ने व्यंग्य रचना छपी ,बढ़िया,काय पै लिखी है। दिनेश तिवारी उपवन ने मेरी जिंदगी पराई धरोहर सी है। दार्शनिक रचना पढ़ी ,शीला चंदन ने तू इंसान है तो बस इंसान बनकर देख.. संजय एम. तराणेकर ने हे द्रौपदी तुझे तो कोई छू भी नहीं सकता जैसी अलग तेवर की भावपूर्ण रचना पढ़ीं। मातृभाषा उन्नयन संस्थान के अध्यक्ष डॉ.अर्पण जैन अविचल ने रचनाओं की समीक्षा की और निमाड़ी कविता सुनाई। डॉ. आरती दुबे ने निमाड़ी संजा गीत सुनाया। किशोर यादव, मदन लाल अग्रवाल, अरविंद जोशी, संजय मोठ ने भी रचनाएं सुनाईं। कार्यक्रम में प्रकाश जैन, विजय खंडेलवाल, अमर सिंह आदि बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन समिति की साहित्य मंत्री डॉ. पद्मासिंह ने किया और अंत में आभार अर्थ मंत्री राजेश शर्मा ने व्यक्त किया।

रिपोर्ट : कवि व समीक्षक संजय एम. तराणेकर

मनुष्य की बुद्धि जितनी सात्विक होगी, उसका जीवन उतना ही पवित्र बनेगा : महासती मधु सुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मनुष्य की बुद्धि जितनी सात्विक होगी, उसका जीवन उतना ही पवित्र बनेगा और आत्मा को मुक्ति का मार्ग मिलेगा। शनिवार को पंचायती नौहरा मुखर्जी चौक में महासती मधुसुधा ने आयोजित धर्मसभा में श्रध्दांलूओ को धर्म उपदेश देतें हुए कहा कि संसार मे एक मनुष्य ही एक ऐसा जीव है जो अपनी बुद्धि के द्वारा अपनी आत्मा को संसार के जन्म मरण के चक्रव्यूह से बाहर निकाल ने की क्षमता रखता है बुद्धि धन से अधिक शक्तिशाली है।लेकिन मनुष्य अपनी बुद्धि का जीवन मे सही ढ़ग इस्तेमाल नहीं करता, वह हमेशा कष्टों में रहता है और जीवन मे सुख नही भोग पाता है। मनुष्य अपनी बुद्धि की तीव्रता और सूक्ष्मता से अपने पुरुषार्थ को बढ़ा सकता है। बुद्धि को न कोई चुरा सकता है और न ही कोई उसे छीन सकता है। बाकायदा बुद्धि ही मनुष्य के पास एक ऐसा धन है जिसका इंसान सद उपयोग करेगा तो वो संसार के समस्त सुखो भोग सकता है, और बुध्दि सही इस्तेमाल नहीं किया तो वो हमेशा जीवन मे कष्टों से निजात नहीं पा सकता है। साध्वी संयम सुधा ने धर्मसभा मे फरमाया मनुष्य के पास बुद्धि का बल है जिसकी बदौलत वह असंभव को भी संभव बनाने की क्षमता रखता है पर अपनी बुध्दि का सदउपयोग नहीं करता है। श्रावक संघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी महामंत्री रोशनलाल जैन,कांतिलाल जैन, राजेंद्र खोखावत,दिनेश हिगंड, लक्ष्मीलाल वीरवाल, संदीप बोलियां, प्रमोद चपलोत,महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू सिरोया, संतोष जैन,पुष्पा खोखावत के अलावा धर्मसभा सैकड़ों श्रध्दांलुओ की उपस्थिति रही। प्रखर वक्ता डॉ. प्रीति सुधा जी म.सा तपस्या के बढ़े क्रम मे 19 उपवास के प्रत्याख्यान लिए।

-प्रवक्ता निलिप्का जैन

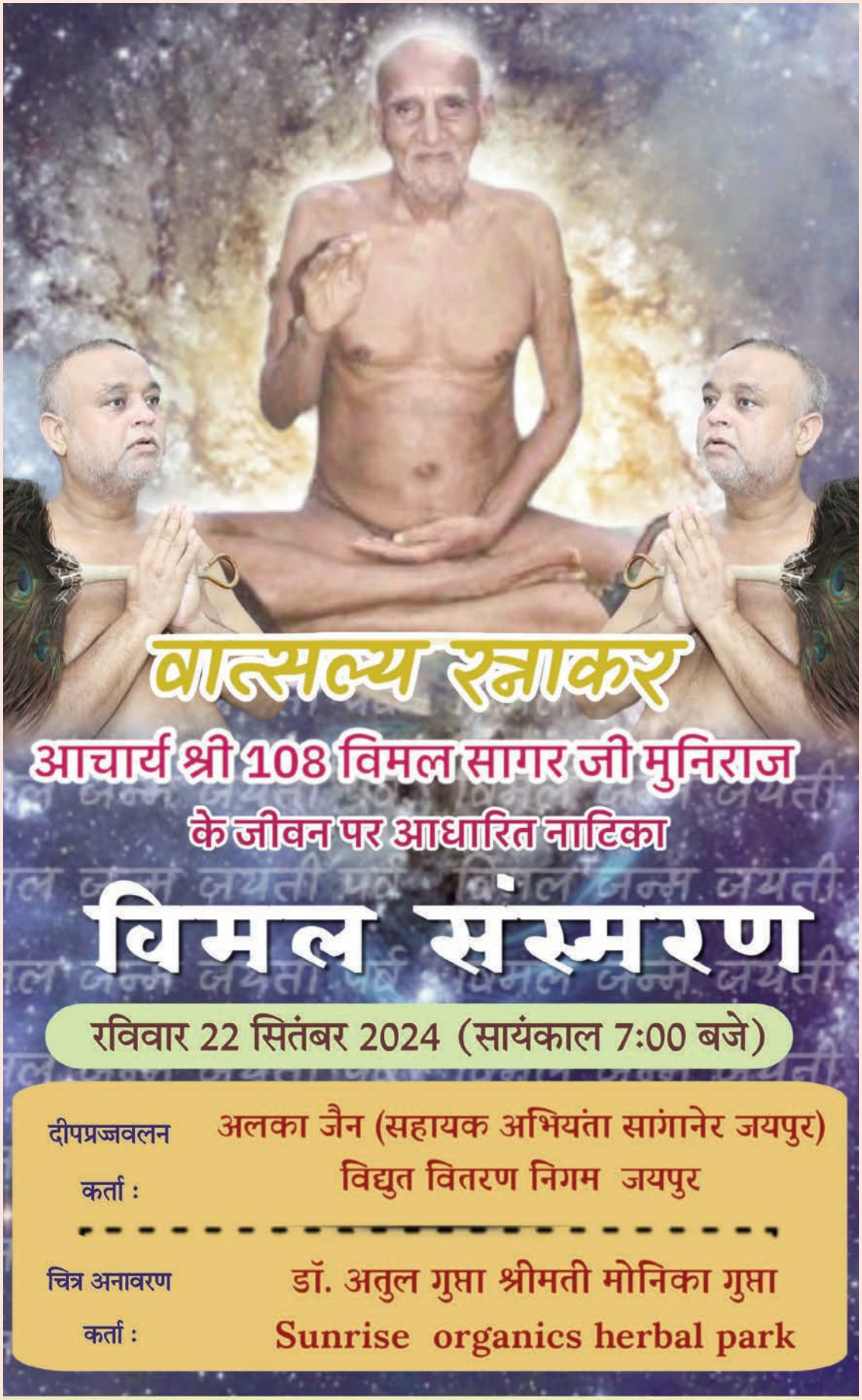

मृत्यु को महोत्सव के रूप में मनाने का नाम है संल्लेखना समाधी

अंतिम समय में आचार्य वसुनंदी जी के सान्निध्य में संल्लेखना की ओर अग्रसर

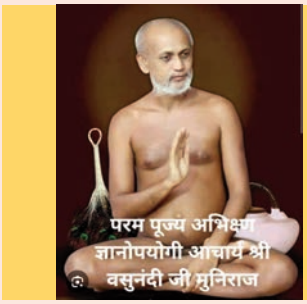

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

फिरोजाबाद। जैन दर्शन में अष्ट कर्मों का उल्लेख है, जिनमें से एक आयु कर्म भी है। आयु कर्म के पूर्ण होने को ही हम मरण कहते हैं । आत्मा तो अजर अमर है किन्तु आयु कर्म पूर्ण होने पर शरीर बदल जाता है । यदि आत्मा सरल परिणाम के साथ राग द्वेष को तज कर शांत परिणाम से इस नश्वर शरीर से गमन करती है तो उसे ही सल्लेखना समाधि कहते हैं। जैसाकी मुरैना निवासी अनूप भंडारी ने बताया कि वर्तमान में सुहाग नगरी फिरोजाबाद में अभिक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महाराज के आशीर्वाद से गोहद निवासी स्वर्गीय श्री स्वरूप चंद्र जी की पुत्रवधू श्रीमती बीनु जैन धर्म पत्नी श्री महेश चंद्र जैन बंटी हाल निवासी गौतम नगर दिल्ली का स्वास्थ्य कुछ समय से खराब चल रहा था । कुछ समय पूर्व जब डॉक्टरों ने बताया कि इनका अंतिम समय चल रहा है । अब हमारे पास इनको बचा पाना संभव नही है और उन्हें घर ले जाने को कहा तो श्रीमती बीनु जैन ने अपने इस नश्वर शरीर को छोड़ने से पहले संलेखना धारण करने की इच्छा व्यक्त की ।तब उन्हें सेठ छदामी लाल जी जैन मंदिर प्रांगण फिरोजाबाद में परम पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महाराज के पास ले जाया गया। आचार्य श्री ने उन्हें संघ में सानिध्य देकर सप्तम प्रतिमा के व्रत देकर ब्रह्मचारिणी संयम प्रभा दीदी नाम दिया और उन्हें सोलहकारण पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर दिनांक 16-09-2024 सोमवार को क्षुल्लिका दीक्षा देकर श्री 105 सर्वज्ञनंदनी नाम दिया। तब से सल्लेखनारत है ।ज्ञात हो श्रीमती बीनु जैन स्व. श्री पन्नालाल जी अगरैया निवासी मुरार की नातिनी, स्व. श्रीमति व्रजेश स्व.श्री महेश चंद्र जी की पुत्री है व श्री दिनेश चंद्र जी की भतीजी है । आपका ननिहाल श्री भोलाराम जमुना दास जी चडोसिया धौलपुर के यहां था। आपकी शादी 1999 में सम्पन्न हुई थी। सभी उनके पुण्य की अनुमोदना करते हुए भावना भाते हैं कि आप अष्ट कर्मों को नष्ट कर शीघ्र सिद्धालय की ओर गमन करें।

अतिशय क्षेत्र रत्नात्रय गिरि पावई वार्षिक मेले में उमड़ा जनसैलाब

दिगंबर जैन गोलालरे युवा समिति भिंड का गठन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

भिण्ड। अतिशय क्षेत्र रत्नात्रय गिरि पावई समिति एंव गोलालारिय समाज सेवा समिति द्वारा आयोजित वार्षिक मेले में दिल्ली महाप्रदेश उत्तर प्रदेश गुजरात राजस्थान उत्तराखंड मध्य प्रदेश सहित सम्पूर्ण प्रदेशौ के श्रद्धालुऔ ने गोलालारिय एंव खरौआ जैन समाज के उदगम स्थल अतिशय क्षेत्र रत्नात्रय गिरि पावई पहुंचकर देवाधिदेव मूलनायक 1008नमिनाथ भगवान का अभिषेक शान्तिधारा पूजन कर सातिशय पुण्य अर्जित किया। उक्त जानकारी देते हुए सोनम जैन ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूवात दीप प्रजलन एवं मंगलाचरण के द्वारा की गयी,वार्षिक मेला के अवसर पर क्षेत्रीय कमेटी की ओर से नमिनाथ विधान का आयोजन भी किया गया जिसके पुण्याजर्क मुन्नालाल जी संजीव कुमार सिंघई परिवार पावई रहे विधान में अनेकानेक साधर्मी बंधुऔ ने शामिल होकर नमिनाथ भगवान के गुणौ का गुणान्वाद कर अपने नर जन्म को सफल किया,प्रतिष्ठाचार्य संदीप जी शास्त्री का सानिध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उपनेता प्रतिपक्ष क्षेत्रीय विधायक श्री हेमन्त कटारे, ईडी आयुक्त श्री राजीव जैन दिल्ली संजय जैन विश्व जैन संगठन संतोष जैन चचा मुन्नालाल जैन पावई (दिल्ली) परम संरक्षक प्रमोद जैन (डब्बू) ओमप्रकाश अग्रवाल बाबूजी चक्रेश जैन इटावा अनिल जैन सोनागिर न्यास रमेश जैन रिदौली सहिते अनेकानेक श्रद्धालुऔ उत्साह सहित शामिल हुए, विधानोपरान्त श्री भव्य शोभायात्रा भी निकाली जी गई जिसमें हजारौ की संख्या में नर नारी बच्चौ ने उत्साह सहित शामिल होकर धर्म प्रभावना की मेला पधारे समस्त महानुभावौ के स्वल्पाहार एंव भोजन व्यवस्था विजय जैन, बैंक वाले बंगला बाजार बीरसैन जैन सर्राफ बरोही वाले सहित अनेक पुण्याजर्क परिवार ने की अन्त में रत्नात्रय गिरि पावई क्षेत्र कार्याध्यक्ष विजय जमसारा एंव समाज अध्यक्ष धर्मेन्द्र जैन पोस्ट आफि स ने कार्य क्रम में शामिल सभी साधर्मी भाईयौ का पा जीजीड्ड वई महोत्सव में शामिल होने पर हार्दिक आभार व्यक्त किया। अतिशय क्षेत्र रत्नात्रय गिरि पावाई में खंडित प्रतिमा का जैन संगठन के अध्यक्ष संजय जैन ने अवलोकन किया। संजय जैन ने कहा पावई एक विशाल तीर्थ क्षेत्र यहाँ सम्पूर्ण जैन समाज को एक बार जरूर आना चाहिए। कार्यक्रम मै बीजेपी नेता ओम प्रकाश अग्रवाल बाबू जी ने कहा पावई अतिशय क्षेत्र आपने आप मै बहुत बड़ा अतिशय क्षेत्र है जिसके बारे मै बोला जाए वो कम है। गोलालारे मुनि भक्त अध्यक्ष रविंद्र जैन द्वारा रात्रि मै पावई से दिल्ली वापस जा रहे यात्रियों का तिलक लगाकर दुप्पटा पहनकर सम्मान किया।

हर जैनी को प्राकृत भाषा सिखाना ही चाहिए : युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

पुच्छिस्सणुं संपुट की ग्यारहवीं गाथा का हुआ जाप

चैन्नेई. शाबाश इंडिया। हर जैनी को प्राकृत भाषा सीखना ही चाहिए शनिवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुमार्सार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज के सानिध्य में पुच्छिस्सणुं संपुट की ग्यारहवीं गाथा का जाप हुआ जिसमे बड़ी संख्या मे श्रध्दांलुओ ने भाग लिया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि जो व्यक्ति प्राकृतिक जीवन जीता है, वह अपने आप में ऐश्वर्य पूर्ण जीवन जीता है। यह प्रकृति मानवीय मन को समृद्ध बनाने वाली है। उसी प्रकृति के रूप में कोई भाषा है तो वह प्राकृत भाषा है। प्रकृति सबको स्वीकार करती है। प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद ही कुछ और है, वह अनुभव होता है। वह दिल में प्रसन्नता भर देता है। प्राकृत भाषा में अलग ही चमक रही हुई है। हमारे आगम उसी प्राकृत भाषा में लिखे गए। प्राकृत भाषा बोलने, सुनने में बहुत मधुर है। उन्होंने कहा परमात्मा के समय में वही बोली मातृभाषा के रूप में बोली जाती थी। हमारा कर्तव्य बनता है कि प्राकृत भाषा के प्रति प्रेम होना ही चाहिए। हर जैनी को प्राकृत भाषा का प्रयोग करना ही चाहिए। जिस- जिस को प्रतिक्रमण कंठस्थ होता है, उसकी भावना, अभिव्यक्ति, शक्ति अधिक बलवती होती है। प्रतिक्रमण हमारे दोषों को दूर ही नहीं करता बल्कि यह जंक किलर है। यह हमारे मस्तिष्क को निर्मलता प्रदान करने वाला है। प्रतिक्रमण हमारे तीर्थंकरों द्वारा कही गई और आचार्यों द्वारा गूंथी गई है। यह प्रभु महावीर के हिमालय से निकली हुई हैं। उन्होंने कहा प्रभु तो देशना देते हैं। जिसके पास कुछ नहीं है, उसको भी देते हैं। गौतम स्वामी जैन तीन ज्ञान के धनी हो या महाराजा श्रेणिक, यह देशना सभी के लिए है। प्रभु कमल की तरह थे। कमल जैसे कीचड़ में खिलता है, उसी तरह प्रभु आसमान को छूने वाला ज्ञान, वीतरागता, विशुद्ध आत्मस्वरुप आदि की ऊंचाई पर पहुंचे। लेकिन जो पापों के पंख लिए हुए थे, उनका भी भव पार किया। हमें थोड़ा ज्ञान, धन मिल जाए तो घमण्ड आ जाता है। जो पूर्ण होते हैं, उनकी बात ही कुछ अलग होती है। आपके भीतर भी पूरा भरा हुआ है, उससे आप थोड़े हल्के हो जाओ। उन्होंने कहा परमात्मा का सबसे पहला पद तीर्थंकर पद महान है। एक तरह से वह 99000 योजन ऊंचे मेरु पर्वत का स्वरूप है। यह केवल हमें समझना हैं।

7 दिगम्बर जैन संतों का सानिध्य

महावीर स्कूल में आज होगा सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमापना समारोह

कीर्तिनगर में चार मुनि संघों का हुआ मिलन, भव्य जुलूस के साथ पहुंचेंगे महावीर स्कूल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमापना समारोह 7 दिगम्बर जैन आचार्य मुनिराजों के सानिध्य में रविवार 22 सितम्बर को आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन के लिए चार दिगम्बर जैन मुनि संघों का शनिवार को कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मिलन हुआ। महावीर स्कूल में रविवार को प्रातः 8.00 बजे से आयोजित होने वाले इस समारोह में 125 त्यागी व्रती तपस्वियों का अभिनन्दन किया जाएगा। सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि सी - स्कीम स्थित महावीर स्कूल में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि राजीव-सीमा जैन गाजियाबाद होगें। अध्यक्षता सुधान्शु-ऋतु कासलीवाल करेंगे। दीप प्रज्जवलन समाजसेवी अजय-माया कटारिया करेगें। विशिष्ट अतिथि गजेन्द्र प्रवीण विकास बडजात्या होंगे। मुख्य संयोजक प्रदीप जैन ने बताया कि उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, सासंद मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ गौरवमयी अतिथि होंगे। महावीर स्कूल में आयोजित होने वाले सामूहिक क्षमापना समारोह में मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा गौरवमयी अतिथि के रूप में प्रातः 9.30 बजे पहुंचेंगे। मुख्य समन्वयक दर्शन जैन बाकलीवाल ने बताया कि समारोह में दशलक्षण महापर्व के 10 दिवस के 118, सोलहकारण के 16 दिवस के 5 एवं 32 दिवस के उपवास करने वाले 2 त्यागी व्रतियों का अभिनन्दन किया जाएगा। समारोह के समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि समारोह में सानिध्य प्रदान करने के लिए शनिवार को कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में चार मुनि संघों का मिलन हुआ। इस मौके पर मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार कर आचार्य शशांक सागर महाराज, मुनि संदेश सागर महाराज तथा बरकतनगर के णमोकार भवन से मुनि अर्चित सागर महाराज मंगल विहार कर कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचे जहां मुनि पावन सागर महाराज, मुनि समत्व सागर, मुनि सुभद्र सागर एवं मुनि शील सागर महाराज एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के सुभाष चन्द जैन, मनीष बैद, विनोद जैन कोटखावदा, प्रदीप जैन, सुभाष बज एवं अरुण काला, जगदीश जैन सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भव्य अगवानी की। समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक रविवार को आचार्य शशांक सागर महाराज, मुनि पावन सागर महाराज, मुनि समत्व सागर महाराज,मुनि सुभद्र सागर महाराज, मुनि संदेश सागर महाराज, मुनि अर्चित सागर महाराज, मुनि शील सागर महाराज ससंघ कीर्तिनगर से विशाल जूलुस के साथ प्रातः 7.00 बजे मंगल विहार कर प्रातः 8.30 बजे महावीर स्कूल पहुंचेंगे। जहां सामूहिक क्षमापना समारोह में सानिध्य प्रदान करेंगे। मुख्य संयोजक प्रदीप जैन ने बताया कि सामूहिक क्षमापना समारोह में चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, पाद पक्षालन, जिनवाणी भेट, त्यागी व्रतियों का अभिनन्दन के बाद आचार्य मुनिराजों के मंगल प्रवचन होंगे।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की डांडिया महोत्सव के लिए तैयारियां जोरों पर

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा आगामी 13 अक्टूबर को महावीर स्कूल में आयोजित किए जाने वाले भव्य डांडिया महोत्सव की तैयारियां पूरी रफ़्तार से चल रही हैं। क्लब की एक विशेष बैठक आज जलसा रेस्टोरेंट में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रम के पहलुओं पर चर्चा हुई। कार्यक्रम को और खास बनाने के लिए, फैशन शो में नवीन और रोचक तत्व जोड़े जाने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, रोटरी क्लबों और अन्य संगठनों के साथ सहयोग कर इस आयोजन को सफल बनाने की रणनीति पर भी काम किया जा रहा है। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष अनिल जैन ने बताया कि क्लब के सभी सदस्य और सहयोगी संगठनों का पूरा समर्थन इस कार्यक्रम की भव्य सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के शामिल होने की उम्मीद है, जो न केवल सांस्कृतिक विरासत का आनंद लेंगे बल्कि समाज सेवा के उद्देश्यों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

थर्मल पावर इंजीनियर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी घोषित

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन में पावर इंजीनियर एसोसिएशन ऑफ राजस्थान कोटा थर्मल इकाई के अध्यक्ष सनत शेषमा ने अपनी नवगठित कार्यकारिणी घोषित की। नई कार्यकारिणी का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यकारिणी में महासचिव हेमंत कुमार नागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष आशीष माहेश्वरी कोषाध्यक्ष सीमा कुमारी नागर एवं अपूर्वा सचान, संगठन सचिव ओम प्रकाश, सुरेंद्र कुमार एवं निरुपमा सोनी, प्रचार सचिव पंकज मेहरा, सुनीता मीणा एवं स्वीटी विजय, कार्यालय सचिव प्रज्ञा गहलोत एवं वैदेही गुप्ता को शामिल किया गया है।

रविन्द्र मंच पर युवा निर्देशक, विपिन शर्मा के निर्देशन में खेला गया नाटक कफन

जयपुर. शाबाश इंडिया

टैगोर योजना में रविंद्र मंच पर दिनांक 20 सितंबर पर मुंसी प्रेमचंद जी द्वारा लिखी कहानी के नाट्यरूपान्तरण का मंचन जयपुर युवा निर्देशक विपिन शर्मा के निर्देशन में खेला गया गया ' जिसमें विपिन शर्मा ने नये कलाकारों के एक महीने से कठिन अभ्यास से नाटक के मंचन कों आज के परिपेक्ष में जीवंत कर दिया। नाटक में सेट और दृश्य कों प्रयोगात्मक शैली में डिजायन किया जिससे ऐसा प्रतीत होता है की नाटक मंच पर नहीं किसी गाँव के गरीब घर में मंचन हो रहा हो। जिसमें मुख्य किरदार में महेश योगी, संजय कुमार, रिया सैनी, शैफाली गुप्ता, आसिफ खान, वेद प्रकाश, निकिता सैनी, तनमय, हरीश, संगीत में कुणाल शर्मा एवं प्रवीण कुमावत , तथा प्रकाश व्यवस्था में राजीव मिश्रा रहे।

नेट थिएट पर नाटक गूंगे : समाज में व्याप्त गूंगेपन को बयां करती कहानी

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज नाद सोसायटी के रंग मंडल की ओर से रागेय राघव की कहानी पर आधारित नाटक गूंगे का सशक्त मंचन किया ।इसका निर्देशन रंगकर्मी अनिल मारवाड़ी ने किया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि नाटक के मुख्य पात्र मनोज स्वामी ने अपने अभिनय से विभिन्न पात्रों को जिया उन्होंने समाज में व्याप्त गूंगेपन को अपने अभिनय से दर्शा कर सभी को भावुक कर दिया। गूंगे की भूमिका में वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने अपने पात्र के साथ न्याय किया और अपने अभिनय से दर्शकों को झकझोर दिया।

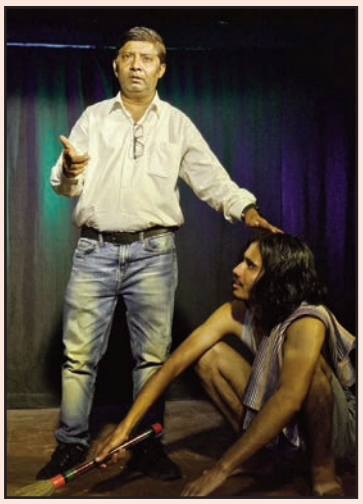

कथासार: कहानी का मूल भाव है कि समाज में आज हर कोई गूंगा है.... कहानी का पात्र तो शारीरिक कमी के कारण गूंगा है जबकि आज के संदर्भ में देखें तो चारों और गूंगापन पसरा हुआ है. कहानी में गूंगा पात्र स्वाभिमान और मेहनत का प्रतीक है. यह एक मार्मिक और प्रेरणादायक कहानी है। जिसके माध्यम से लेखक ने यह सन्देश देने की कोशिश की है कि भले ही जीवन में कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आ जाएं, मनुष्य को कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और हमेशा मेहनत और ईमानदारी के सहारे जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। कहानी एक गूँगे लड़के की है जिसमें शोषित एवं पीड़ित मानव की असहाय स्थिति का मार्मिक चित्रण किया गया है। गूँगे में ऐसी तड़पन है जो पाठक के हृदय को झकझोर देती है। गूँगा बालक एक अनाथ बालक है जो सभी का दया का पात्र है। वह जन्म से बहरा होने के कारण गूँगा है। वह सुख-दुख जो कुछ भी अनुभव करता है, उसे इशारों के माध्यम से प्रकट करता है। जिनके हदय की प्रतिहिंसा न्याय और अन्याय को परखकर भी अत्याचार को चुनौती नहीं दे सकते, क्योंक बोलने के लिए स्वर होकर भी स्वर में अर्थ नहीं है, क्योंकि वे असमर्थ हैं। कार्यक्रम में खुशखरीद के देवेंद्र सिंघवी की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए । कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, प्रकाश विनोद सागर गढ़वाल, सेट मीहिजा शर्मा,कवितेश शर्मा,कैमरा जीवितेश शर्मा और संगीत अंकित शर्मा नोनू का रहा ।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर एवं

आदिनाथ मित्र मण्डल, जयपुर के द्वारा

48 दीपको से रिद्धि-सिद्धि मंत्रों के साथ

उत्तम क्षमा

भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान

सोमवार, 23 सितम्बर 2024
सायं 7.00 बजे से

—: प्रथम दीप प्रज्वलन कर्त्ता :—
श्रीमती सरोज जी जैन पांड्या
(धर्मपत्नि स्व. श्री पदम चन्द जैन पांड्या, चाँदखाना वाले)

गायक
श्री अशोक गंगवाल एंड पार्टी

स्थान : श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, संघी जी, सांगानेर, जयपुर

कार्यक्रम ड्रेस कोड: पुरुष वर्ग – सफेद कुर्ता पायजामा/पेंट शर्ट, महिला वर्ग – केसरिया/पीली साड़ी

आदिनाथ मित्र मण्डल

सुनील जैन अध्यक्ष | राकेश गोदिका संरक्षक | विमल जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष | राजेन्द्र बाकलीवाल मंत्री
संजय जैन 'आवां' उपाध्यक्ष | साकेत जैन उपाध्यक्ष | अशोक सेठी संयुक्त मंत्री | अनिल जैन डोड्या संयुक्त मंत्री | मुकेश जैन कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्य : टीकम जैन, अशोक सोगानी, राजेन्द्र जैन बोरखंडी, अनिल जैन (दोशी), अशीष शाह, अशोक जैन (आगरा रोड़), पं. विनोद शास्त्री

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर

राजेश बड़जात्या अध्यक्ष | अनिल कुमार जैन (Rt. IPS) संस्थापक अध्यक्ष | यश कमल अजमेरा निवर्तमान अध्यक्ष | निर्मल संघी महासचिव | पारस जैन कोषाध्यक्ष

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

मनीष-शोभना लोंग्या अध्यक्ष | राकेश-समता गोदिका संस्थापक अध्यक्ष | दिलीप-प्रमिला पाटनी कोषाध्यक्ष | राजेश-रानी पाटनी सचिव
सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या संरक्षक | दर्शन-विनीता जैन संरक्षक | राजेश-जैना गंगवाल संरक्षक | विनोद-शशि तिजारिया संरक्षक | दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक

मोती कटरा जैन मंदिर में मनाया वार्षिक कलशाभिषेक एवं क्षमावाणी पर्व-भक्तों ने किया श्रीजी का पूजन एव अभिषेक

आगरा. शाबाश इंडिया। मेडिटेशन गुरू उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विश्वसम्य सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में 21सितंबर को मोती कटरा स्थित हनुमान चौराहे के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर एवं श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर जत्ती कटरा मोती कटरा का संयुक्त वार्षिक कलशाभिषेक एवं क्षमावाणी महापर्व का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 3:00 बजे मेडिटेशन गुरू उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में इन्द्रों ने श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर से बैण्ड बाजों के साथ जलयात्रा निकालकर किया। जलयात्रा बड़ा जैन मन्दिर से मोती कटरा चौराहा,होते हुए श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर जत्ती कटरा पहुंचीं जहा उपाध्यायसंघ के सानिध्य में श्रीजी का प्रथम कलशाभिषेक हुओ इसके बाद उपाध्यायसंघ हनुमान चौराहा के श्री महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर पहुंचे जहां इन्द्रों ने उपाध्यायश्री ससंघ के सानिध्य में श्रीजी की प्रतिमा को पाण्डुक शिला पर विराजमान कर स्वर्ण कलशों से अभिषेक सम्पन्न कियो कार्यक्रम के मध्य में ही भक्तों को उपाध्यायश्री की मंगलवाणी श्रवण करने का अवसर प्राप्त हुआ इस दौरान अवधपुरी सकल जैन समाज ने उपाध्यायश्री के समक्ष श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया।कार्यक्रम के समापन पर मन्दिर समिति ने सभी भक्तों के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई।सांय 7:00 बजे जैन मंदिर मोती कटरा में उपाध्यायसंघ की गुरुभक्ति आयोजित की गईमीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ का 22 सितंबर को सुबह 6:00 बजे मोती कटरा जैन मंदिर से मंगल विहार श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर राहुल विहार के लिए मंगल विहार होगा जहां उपाध्याय श्री के मंगल सानिध्य में वार्षिक कलशाभिषेक महोत्सव दोपहर 12:00 बजे से मनाया जाएगो इस अवसर पर मन्दिर के आगरा दिगंबर जैन परिषद के अर्थमंत्री राकेश जैन पदेवाले,महावीर प्रसाद जैन, अजीत जैन जयंती प्रसाद जैन,अनंत जैन,अरुण जैन,रविंद्र जैन,पुनीत जैन, गिरीशचंद जैन,सुनील कुमार जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन,समस्त मोती कटरा के अलावा आस-पास शैलियों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्ट: मीडिया प्रभारी शुभम जैन**

उत्साह के साथ मनाया वर्ल्ड ड्यू बॉल डे

सुरेश उपाध्याय अध्यक्ष, अवधेश सेदावत सीनियर उपाध्यक्ष मनोनित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान ड्यूबॉल एसोसिएशन की ओर से चौगान स्टेडियम में ड्यूबॉल वल्डे-डे उत्साह के साथ मनाया। राजस्थान ड्यू बॉल एसोसिएशन ने राजसंघ के अधिकारियों एवं खिलाड़ियो के साथ अवधेश सेदावत, चन्द्रमोहन बटवाड़ा आई विधायक स्वामी बालमुकुन्दाचार्य ने इस समारोह में भाग लिया। सभी की सहमति से इस अवसर पर सुरेश उपाध्याय को राजस्थान ड्यूबॉल एसोसिएशन का अध्यक्ष और अवधेश सेदावत को सीनियर वाइस प्रेसिडेंट नियुक्त किया गया। चन्द्र मनोहर बटवाड़ा ने ड्यूबॉल पोस्टर का विमोचन कर बाद में चौगान के बाहर विधायक स्वामी बालमुकुन्दाचार्य महाराज के साथ खिलाड़ियों और अधिकारियों के पोस्टर बैनर के साथ रैली को शुरू किया। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों को ड्यूबॉल खेल को आगे बढ़ाने की सराहना की। गौरतलब है कि यह खेल विश्व में 38 देशों में खेला जाता है। इसका वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन ईरान (बगदाद) में आयोजित होगा। इससे पूर्व जयपुर में 9वीं जूनियर नेशनल (बालक-बालिका) नवम्बर में आयोजित करने का फैसला अध्यक्ष एवं प्रसिडेंट ने आयोजन करने की मंशा जताई है। साथ ही सीकर में आयोजित टेनिस बॉल किकेट जूनियर टेनिस बॉल राज स्तरीय प्रतियोगिता में जयपुर की टीम को जिले के वाइस प्रसिडेंट नितिन शारदा भगेरिया ने बच्चों को अच्छा प्रदर्शन करके आने की हिदायत दी। संघ के चेयरमेन राजीव अरोड़ा ने ऑनलाइन बच्चों को अनुशासन में खेलने का आग्रह किया। मिरज मंजूर बेग ने बताया की राज्य संघ की कार्यकारिणी आगामी बैठक में घोषणा दी जायेगी।

रिलायंस फाउंडेशन महिलाओं की डिजिटल भागीदारी बढ़ाने के लिए देगा 10 मिलियन डॉलर का वित्तीय सहयोग

मुंबई। रिलायंस फाउंडेशन ने अमेरिका के यूएसएआईडी और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के साथ मिलकर ''वीमेन इन द डिजिटल इकॉनमी फंड (डब्लूआईडीईएफ)'' के तहत 10 मिलियन यूएस डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य भारत में महिलाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था में सशक्त बनाना और जेंडर डिजिटल डिवाइड को कम करना है। रिलायंस फाउंडेशन की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा, ''डब्लूआईडीईएफ वैश्विक सहयोग का एक ऐतिहासिक कदम है और हम इस पहल का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहे हैं। हम महिलाओं की आजीविका, आर्थिक सुरक्षा और तकनीक के माध्यम से सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' यूएसएआईडी-इंडिया की एक्टिंग मिशन डायरेक्टर डॉ. अलेक्जेंड्रिया ह्यूर्टा ने इस साझेदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका की यह साझेदारी लैंगिक डिजिटल अंतर को समाप्त करने में एक अहम कदम है। हम रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर लाखों महिलाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ पहुंचाने और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में काम कर रहे हैं।

आचार्य, मुनिराज एवं आर्यिका माताजी के पावन आशीर्वाद एवं सान्निध्य में

आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी महाराज | उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्तसागर जी महाराज | उपाध्याय श्री 108 वृषभानन्द जी महाराज | मुनिश्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज | मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

मुनिश्री 108 समत्वसागर जी महाराज | मुनिश्री 108 अचिंत्यसागर जी महाराज | मुनिश्री 108 सुभद्रसागर जी महाराज | मुनिश्री 108 शीलसागर जी महाराज | गणिनी आर्यिका श्री 108 नगमतिमाताजी

राजस्थान जैन सभा

स्थापित : सन् 1953
रजिस्ट्रेशन नं. : 195/70-71

सकल दिगम्बर जैन समाज का

सामूहिक क्षमापन पर्व समारोह

रविवार 22 सितम्बर, 2024 | प्रात: 8.00 से 12.00 बजे तक

स्थान : महावीर स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर

धर्मसभा एवं सम्मान - प्रात: 9.00 बजे से

अल्पाहार - प्रात: 8.00 बजे • सहभोज- दोपहर 12.15 बजे

सोहलकारण व्रत के 32 एवं 16 उपवास, दशलक्षण व्रत के 10 उपवास करने वाले त्यागीवृत्तियों (तपस्वी) का सम्मान

हमारी जैन एकता ...आपकी सपरिवार उपस्थिति से ही होगी.

मुख्य समन्वयक: दर्शन जैन 94140-73035
समन्वयक: विनोद जैन 'कोटखावदा' 93142-78866
मुख्य संयोजक: प्रदीप जैन 'लाला' 98290-51671

त्यागीवृत्ति-तपस्वियों के नाम नोट करवायें
यशकमल अजमेरा 98290-67076
सुभाष कुमार बज 94143-21318
अनिल छाबड़ा 98872-62673

स्थल व्यवस्था संयोजक.. अशोक जैन 'नेता' 94140-64534 | भानु कुमार जैन 94136-76324

सहभोज संयोजक.. श्रीमती मीना जैन चौधरी 98283-92900 | श्रीमती सीमा जैन गाजियाबाद 99280-90772

आयोजक : राजस्थान जैन सभा, जयपुर

सुभाष चन्द जैन, अध्यक्ष, 98290-14617 | दर्शन जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, 94140-73035 | मुकेश सौगानी, उपाध्यक्ष, 98290-56224 | विनोद जैन कोटखावदा, मंत्री, 93142-78866 | भानू कुमार जैन, संयुक्त मंत्री, 94136-76324 | राकेश छाबड़ा, कोषाध्यक्ष, 86969-01634 | मनीष बैंद, महामंत्री, 94140-16808

कार्यकारिणी सदस्यगण.... शैलेन्द्र शाह 'चीकू' | अमर चन्द दीवान खोरावीसल | अशोक कुमार पाटनी | निर्मल कासलीवाल | सूर्य प्रकाश छाबड़ा | कमल बाबू जैन | प्रदीप जैन बड़जात्या | राजीव कुमार पाटनी | आर. के. जैन रेलवे | यशकमल अजमेरा | अनिल छाबड़ा | राकेश कुमार गोधा | सुभाष कुमार बज | जिनेन्द्र कुमार जैन 'जीतू'

सहवृत सदस्यगण.... अशोक जैन 'नेता' | महेश काला एडवोकेट | श्रीमती मीना जैन चौधरी | श्रीमती सीमा जैन गाजियाबाद

पंजीकृत कार्यालय : चाकसू का चौक, घी वालों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर-302 003 ■ नवीन कार्यालय : 803, आदर्श चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302 004

जिसे श्रवण कर मिट जाती है सौ जन्मों जन्म की व्यथा, जय-जय श्रीराम कथा

ख्यातनाम कथावाचक राजन महाराज के मुखारबिंद से श्रीराम कथा सुनने पहले ही दिन उमड़े भीलवाड़ावासी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भगवान के एश्वर्य एवं स्वरूप का बोध कराने वाली जिस श्रीराम कथा श्रवण का लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था वह पल शनिवार को आखिर आ ही गया। श्रीसंकट मोचन हनुमान मंदिर ट्रस्ट एवं श्री रामकथा सेवा समिति भीलवाड़ा के तत्वावधान में आयोजित नौ दिवसीय श्री रामकथा महोत्सव का आगाज कोलकात्ता के ख्यातनाम कथावाचक पूज्य राजन महाराज के मुखारबिंद से श्रीराम कथा वाचन शुरू होने के साथ हो गया। संकटमोचन हनुमान मंदिर के महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में पहले ही दिन कथा सुनने के लिए धर्मनगरी भीलवाड़ा के भक्तगण उमड़ पड़े एवं विशाल वाटरप्रूफ पांडाल भी छोटा पड़ता नजर आया। इससे पूर्व कथावाचन शुरू होने से बीबी पूर्व सुबह श्रीहरिशेवाधाम से विशाल कलश शोभायात्रा भी निकाली गई थी। शोभायात्रा के चित्रकूटधाम पहुंचने पर व्यास पीठ रामचरितमानस ग्रंथ को विधि पूर्वक रखा गया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष गजानंद बजाज के साथ महन्त बाबूगिरीजी महाराज, निम्बार्क आश्रम के महन्त मोहनशरण शास्त्री, गोपालद्वारा सांगानेर के गोपालदासजी महाराज, रपट के बालाजी के महन्त बलरामदासजी महाराज, हरिशेवाधाम के गोविन्दरामज, मुरारी पांडे आदि मौजूद थे। श्री राजन महाराज जैसे ही कथास्थल चित्रकूटधाम में व्यास पीठ पर पहुंचे पूरा पांडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। उनके व्यास पीठ पर विराजित होने से पहले उसकी विधिवत पूजा की गई। राजन महाराज ने जैसे ही ह्यह्यजिसे श्रवण कर मिट जाती है सौ जन्मों जन्म की व्यथा, जय-जय श्रीराम कथाह्लह्ल भजन पेश किया पूरा माहौल राम की भक्तिमय हो गया एवं कथास्थल चित्रकूटधाम अपने नाम को साकार करते दिखा। उन्होंने भीलवाड़ावासियों की भक्ति भावना सराहना करते हुए कहा कि सरस रामकथा जीवन के लिए महत्वपूर्ण संदेश देने वाली है। रामकथा बताती है कि जीवन को किस तरह विकारों से मुक्त किया जा सकता है। कथा आयोजन के लिए महन्त बाबूगिरीजी महाराज की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस कलिकाल में जब व्यक्ति परमार्थ छोड़ स्व में उलझा हुआ तब जो रामकथा करने के लिए निवेदन करता है वह सौभाग्यशाली है। उन्होंने कहा कि रामजी के चरणों में परम पद प्राप्त करना चाहते है ओर जीवन का उद्धार करना चाहते है तो भाव सहित कथा श्रवण करना ही उपाय है। किसी को कथा समझ नहीं आए तो भी सुनने आए रामकथा सभी मनोकामना पूरी कर देती है। सुनने वाले की जैसी प्रकृति होती है वैसी ही उसे कथा समझ में आती है। राजन महाराज ने कहा कि जब सूर्य से विमुख हो जाते है तो परछाई आगे होती है ओर जब भगवान से विमुख हो जाते है तो विपतिया आती है। मुख भगवान के सामने होगा तो जीवन में खुशियां होगी। भगवान के समक्ष हमेशा शरणागत भाव में दिखा करे। जानना ज्ञान नहीं है जान कर जो मान लेगा वहीं ज्ञान है। हम बहुत सी बाते जानते है पर उसे मानते नहीं है। हम जानते मौत निश्चित है फिर भी राग,द्धेष,मोह नहीं छोड़ पाते है। उन्होंने कहा कि रामजी की भक्ति ही रामजी को प्राप्त करा सकती है। मैं भाव से कथा सुनाने का प्रयास करूगा आप भी भाव से कथा सुनने का प्रयास करे। भाव के साथ कथा श्रवण करने पर यह मन की थकान मिटा देती है। मंच पर हाथीभाटा आश्रम के महंत संतदासजी महाराज, भजन गायक मिथलेश नागर, पुजारी मुरारी पांडे, मुरलीधर बानोड़ा के बालाजी आदि भी मौजूद थे। राजन महाराज के व्यास पीठ पर विराजने के बाद आरती करने वालों में प्रमुख जजमान श्रीगोपाल राठी, राधेश्याम सोमानी, रमेश खोईवाल,देवीलाल बजाज, मिठुलाल स्वर्णकार, केसी प्रहलादका, राजेश गुर्जर, श्रीराम गुर्जर, हनुमान गुर्जर, अजय गुर्जर आदि शामिल थे। शाम की आरती भीलवाड़ा नगर निगम के महापौर राकेश पाठक, पवन पंवार, नवल भारद्धाज, सांवरमल बंसल, रमेश बंसल, उमाशंकर पारीक, गोविन्द सोड़ानी, मनोहरकृष्ण चौबे आदि ने की। अतिथियों का स्वागत श्रीरामकथा सेवा समिति के अध्यक्ष गजानंद बजाज, महासचिव पीयूष डाड एवं कन्हैयालाल स्वर्णकार, राजेश बाहेती, संजय बाहेती, वेदान्त बाहेती, नवनीत बजाज, दुगार्लाल सोनी, समिति की महिला प्रमुख मंजू पोखरना, रेखा कंवर, नीलम शर्मा आदि ने किया। मंच का संचालन पंडित अशोक व्यास ने करते हुए कथा आयोजन की भूमिका के बारे में बताया।

हर्षोल्लास के माहौल में ग्रैंडपैरेंट्स डे हुआ आयोजित शांति जूनियर्स स्कूल में

बच्चों ने दादा-दादी को दिया प्यार और सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रताप नगर, शांति जूनियर्स में ग्रैंडपैरेंट्स डे का आयोजन किया गया, जिसमें दादा-दादी को सम्मानित किया गया और उनके प्रति प्यार व सम्मान प्रकट किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रिंसिपल अपर्णा माथुर के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने दादा-दादी के महत्व को उजागर किया। इसके बाद छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें गीत, नृत्य और नाटक शामिल थे। कार्यक्रम में बालिका वृंदा की दादी डॉ स्नेहलता अग्रवाल ने स्कूल के द्वारा किए जाने वाले प्रयासों और अपने अनुभव से सभी को प्रोत्साहित किया। स्कूल ने दादा-दादी के लिए क्विज प्रतियोगिता, बॉल खेल और गतिविधियाँ भी आयोजित की जिससे बच्चों के साथ दादा दादी का भी बचपन लौट आया। समारोह का समापन फोटो सेशन के साथ हुआ, जिसमें दादा-दादी को बच्चों के द्वारा फोटो फ्रेम्स और गिफ्ट्स दिए गए।

अशक्त गौमाताओं के लिए गुड़ की सेवा भिजवाई गई

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर. कासं। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल के सहयोग से ग्राम लोहागल में स्थापित पुष्कर गो आदि पशुशाला की अशक्त गऊ माताओं के लिए दो कार्टून गुड (52 किलो) गो शाला कमेटी के पदाधिकारी लक्ष्मी नारायण जी हटूका के माध्यम से गऊ शाला भिजवाया गया। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि आप हम एवम सपना संस्था द्वारा क्लब के वरिष्ठ साथी समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल द्वारा वर्ष पर्यंत जरूरतमंद के साथ ग्रामीण क्षेत्रो में अभूतपूर्व सहयोग देने के लिए चयन करते हुए अजमेर रत्न का सम्मान देकर पुरस्कृत किया गया। इस उपलक्ष पर लायन राकेश पालीवाल के सहयोग से गऊ माताओं के लिए गोवंश का प्रिय व्यंजन गुड की सेवा लायन अतुल पाटनी के संयोजन में भिजवाई गई।

दुनिया में एक व्यक्ति चुनो, जिसके सामने तुम कुछ भी मत छुपाना: निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

सागर. शाबाश इंडिया

निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 1083 सुधा सागर महाराज ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा की दुनिया में एक व्यक्ति चुनो जिसके सामने तुम कुछ भी मत छुपाना, इसकी शुरूआत माँ-बाप से करो,मैं मम्मी पापा से कुछ नही छुपाऊंगा,उनसे कभी झूठ नहीं बोलूंगा,जो कुछ भी मैने किया है, सब साफ साफ कहता रहूंगा यदि यह नियम आपका हो गया तो शुरूआत से ही आपकी गति बढ़ जाएगी, फिर गुरु से कुछ मत छुपाना और सबसे बड़ी बात अपनी आत्मा से कुछ मत छिपाना। महाराज श्री ने कहा कि सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाला कोई अनुयोग है तो वह है द्रव्यानुयोग, उसका नेचर है वह भावी पर्याय को देखता है, वर्तमान पर्याय को बोलता नही, अतीत में तुम क्या थे वो कहता है मुझे पता नही। यदि माँ झूठ नही बोले तुम वह माँ नही, और माँ की बात बेटा मान ले तो वह बेटा नहीं। वह सच्ची माँ है द्रव्यानुयोग लेकिन माँ के व्यामोह में मान लो तो क्या होगा तुम्हारा, पूछो आत्मा से क्या तुम्हारी आत्मा कषाय से रहित है। दुश्मन पुराण पढ़ो, दुश्मन का स्वरूप क्या है, जो अपने प्रतिपक्ष का सदा बुरा विचारता है, बुरा सुनता है, बुरा बोलता है, बुरा करता है। वस्तु का स्वभाव ही धर्म है, जब दुश्मन है तो दुश्मन बुरा ही सोचेगा, गाली ही देगा, वो अधर्म नही, धर्म कर रहा है क्योंकि दुश्मन पुराण यही कहता है कि जो दुश्मन हो वह दुश्मन का बुरा विचारे। हा मित्र होकर गाली देवे तो अधर्म है, वह कानून के खिलाफ है। जो जितना मृदु होता है उसमें उतने ही कठोरपने की शक्ति होती है। साधु जितना सरल होता है उसमें उतना ही छलकपट करने की ताकत होती है। व्यक्ति जितना जितना धर्मात्मा है उतना उसमें अधर्म करने की शक्ति है।

अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

जो हर परिषह को जीतता है, वही मोक्ष पद को पाता है ...

जयपुर में पहली बार पार्श्व पुराण का हुआ वाचन

मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर रविवार को प्रातः 8.15 बजे होगी धर्म सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से शनिवार को मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें मुनि श्री ने 22 परिषह को समझाते हुए कहा कि जो हर परिषह को जीतता है, वही मोक्ष पद को पाता है। संसार इच्छाओं का नाम है और मोक्ष इन इच्छाओं पर विजय करने का। जो अपनी इच्छाओं के अधीन होता है वह पराधीन कहलाता है आज परिषह के अंतर्गत प्यास, शीत , ग्रीष्म , दंड मशक परिषह के मर्म को समझाया। मुनिश्री ने कहा दिगंबर मुनि सिर्फ आहार के लिए पराधीन होते हैं। आचार्य श्री

कहते थे ठंड सह लोगे तो गर्मी भी सहन कर लोगे। संयम के साथ बढ़ने में लज्जा नहीं आनी चाहिए। लज्जा तो असंयम के साथ बढ़ने में आनी चाहिए। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन प्राप्त किया।इस मौके पर जयपुर विकास प्राधिकरण के सचिव आई ए एस निशान्त जैन एवं दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन, गौरव जैन ने मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने अतिथियो को स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया। समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में रविवार , 22 सितम्बर को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ का रविवार को ही मीरामार्ग के आदिनाथ भवन से शांतिनगर के दिगम्बर जैन मंदिर के लिए मंगल विहार होगा।

श्रीमती शकुंतला बिंदायका के सोलह कारण उपवास पूर्ण होने पर हुआ सम्मान

चाकसू. शाबाश इंडिया

राजस्थान महिला महासमिति , संगिनी फॉरेवर एवं जनकपुरी महिला मंडल की अध्यक्ष की श्रीमती शकुंतला बिंदायका सोलह कारण व्रत, समापन का भव्य सहभोज और भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन हुआ। श्रीमती शकुंतला बिंदायका के सोलह कारण व्रत के सकुशल पूर्ण होने पर उनके परिवार के द्वारा एक भव्य सहभोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भक्तामर मंडल दीप अनुष्ठान भी विधिपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्रीमती शकुंतला बिंदायका का चाकसू जैन समाज कार्यकारिणी के अध्यक्ष दिनेश जैन एवं मंत्री परवीन जैन , मुनी सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक तमादिया वाले, राजेंद्र जैन ,ज्ञान चंद सोगानी, मेनेजर

नवल जैन के द्वारा अनुमोदन स्वरूप माला, दुपट्टा और शॉल पहनाकर समाज द्वारा भव्य स्वागत के साथ किया गया। रिक्की जैन के द्वारा तेला किए जाने के लिए उनका भी स्वागत सम्मान किया गया। इस पावन अवसर पर महासमिति चाकसू संभाग की मंत्री रिंकल सोगानी, अध्यक्ष रिचिका सिंघल ने बताया कि श्रीमती उषा सिंघल चाकसू महासमिति की संरक्षण के दसलक्षण धर्म के उपवास के निर्विघ्न पूर्ण होने पर उनका भी सम्मान किया गया। सभी समाज के सदस्यों ने अनुमोदना व्यक्त की और उनके दृढ़ निश्चय की प्रशंसा की। समारोह में शाबाश इंडिया के संपादक राकेश - समता गोदिका, फेडरेशन अध्यक्ष राजेश - सीमा बड़जात्या, राकेश रेणु संघी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। टोंक संभाग की अध्यक्ष जिला प्रमुख सरोज बंसल मंत्री रेखा जैन अलीगढ़ संभाग की अध्यक्ष खुशी जैन मंत्री सुनीता लुहाड़िया, उपाध्यक्ष नीलम गोधा निवाई संभाग से मंत्री शकुन्तला जैन तथा महासमिति के मुख्य कार्य कर्ता विमल जोला वाले आदि लोगों की गरिमामय उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन और निर्देशन सुनीता गंगवाल एवं सरोज बसल द्वारा किया गया। भक्तामर अनुष्ठान में समाज के सभी सदस्य श्रद्धापूर्वक सम्मिलित हुए सम्यक ग्रुप के अध्यक्ष इंद्र कुमार जैन एवं मंत्री नवल किशोर जैन व कोषाध्यक्ष मुकेश जैन द्वारा भी भाव भिना स्वागत किया गया। आज के आयोजन ने चाकसू जैन धर्मावलंबियों के बीच नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

त्रिदिवसीय विमल सागर जी महाराज जन्म जयंती पर्व आज से

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रताप नगर सेक्टर 8 में चातुर्मासरत पूज्य उपाध्याय श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज के पावन सानिध्य में त्रिदिवसीय आचार्य विमल सागर जी महाराज जन्म जयंती पर्व का आयोजन रविवार को प्रातः भव्य श्री जी शोभायात्रा के साथ प्रारंभ होगा, चातुर्मास समिति के अध्यक्ष कमलेश बावड़ी के अनुसार आचार्य विमल सागर जी महाराज की 109 वी जन्म जयंती के अवसर पर यह आयोजन किया जा रहा है, इस पर्व के शुभारंभ में देवाधिदेव भगवान महावीर स्वामी की स्वर्ण रथ पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, शोभायात्रा में जहां भगवान स्वर्ण रथ पर विराजमान होंगे वही, आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज का चित्र स्वर्ण बग्गी पर सुसज्जित रहेगा, साथ ही नगाड़ा वादन, राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा कला प्रदर्शन, ऊंट, घोड़े, बग्गियो सहित भारी लवाजमा रहेगा। समिति के मुख्य संयोजक जिनेन्द्र गंगवाल के अनुसार शोभायात्रा में टीकमगढ़ मध्यप्रदेश के अहिंसा जय घोष बैंड द्वारा विशेष प्रदर्शन किया जाएगा, साथ ही राजस्थानी कालबेलिया नृत्य शोभायात्रा में आकर्षण का केंद्र रहेगा, शोभायात्रा में बग्गियों में सोधर्म सहित 13 इंद्र इंद्राणी सुसोभित रहेगी। समिति के महामंत्री महेंद्र जैन पचाला ने बताया शोभायात्रा प्रताप नगर के भामाशाह मार्ग होते हुए टोंकरोड से कुम्भा मार्ग हो के आयोजन स्थल सामुदायिक केंद्र सेक्टर 11 प्रताप नगर पहुंचेगी जहां पूज्य उपाध्याय श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज के सानिध्य में महामृत्युंजय मण्डल विधान पूजन का आयोजन होगा।